Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 209 | शुक्रवार, 07 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

सीएम योगी का सख्त संदेश: कांवड़ यात्रा में अराजकता बर्दाश्त नहीं; ई-रिक्शा और टैक्सी चालकों का होगा सत्यापन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बिगाड़ने, अफवाह फैलाने और माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा आस्था, अनुशासन और सामाजिक समरसता महापर्व है। इसमें किसी तरह का उपद्रव या गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

बृहस्पतिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रदेश के सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के साथ कानून-व्यवस्था, महिला सुरक्षा, बाढ़, खाद की उपलब्धता और आगामी त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा बड़ी संख्या में लोगों की आस्था से जुड़ा आयोजन है।

इसकी सुरक्षा और सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बरेली में कांवड़ यात्रा और आला हजरत उर्स को देखते हुए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि गाजियाबाद से अब तक करीब 70 हजार कांवड़िये गुजर चुके हैं। अगले दो दिनों में संख्या बढ़ने की संभावना है। सीएम ने अधिकारियों को सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। स्पष्ट कहा है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट आदि अफवाह फैलाने वालों से सख्ती से निपटा जाए।

महिला सुरक्षा की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं से जुड़े अपराधों में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। शोहदों और टप्पेबाजों की पहचान सार्वजनिक की जाए, संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और मिशन शक्ति अभियान को और प्रभावी बनाया जाए।

खाद की कालाबाजारी ना हो

मुख्यमंत्री ने किसानों को समय पर यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि खाद की कालाबाजारी किसी भी कीमत पर नहीं होनी चाहिए। वितरण व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जाए और नेपाल सीमा से लगे जिलों में विशेष निगरानी रखी जाए।

बढ़ प्रभावित क्षेत्र में तैयारी पूरी रखें

बाढ़ प्रभावित जिलों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने राहत और बचाव कार्य तेज रखने, तटबंधों की निगरानी बढ़ाने तथा कटान से प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही अगले एक सप्ताह में संभावित बारिश को देखते हुए सभी जिलों को पहले से तैयारी रखने को कहा।

प्रतापगढ़ में जर्जर मकान ढहने से परिवार के 6 सदस्यों की मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

प्रतापगढ़। छह अगस्त प्रतापगढ़ जिले के नगर कोतवाली क्षेत्र में बारिश के दौरान एक जर्जर मकान ढहने से उसके मलबे में दबने के कारण एक परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) आशुतोष मिश्रा ने बृहस्पतिवार को बताया कि नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली बाजार में बुधवार रात एक मकान के एक कमरे में परिवार के सात सदस्य सो रहे थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान बारिश के बीच मकान ढह गया और वे सभी मलबे में दब गए। उन्होंने बताया कि जोरदार आवाज सुनकर आस-पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने पुलिस एवं दमकल विभाग को सूचना दी। मिश्रा ने बताया कि मलबे में दबे सभी लोगों को बाहर निकालकर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में प्रमोद श्रीवास्तव (60), उनकी पत्नी रीता (55), उनकी बहू माधुरी (24), उनके पोतों माधव (दो) एवं आद्विक (10 माह) और परिवार के एक अन्य सदस्य नितिन (25) की मौत हो गई। पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बताया कि घटना में घायल प्रमोद के बेटे अमन का उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। मिश्रा ने बताया कि मकान करीब 100 वर्ष पुराना था और जर्जर हो चुका था।

आतंकी मोहम्मद लतीफ भट के खिलाफ लगाये गये पोस्टर

एलजी बोले- पूरे आतंकी नेटवर्क को करेंगे ध्वस्त

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों का अभियान लगातार और अधिक आक्रामक होता जा रहा है। एक ओर अनंतनाग में पुलिसकर्मी की हत्या के मुख्य आरोपी लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के आतंकवादी मोहम्मद लतीफ भट पर 15 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है, वहीं दूसरी ओर आतंकियों के मददगारों पर भी शिकंजा कसते हुए बारामूला और पुलवामा में दो ओवरग्राउंड वर्कर्स (OGWs) को गिरफ्तार किया गया है। इसी बीच उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन आतंकवादी नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने और उसके हर मददगार को कानून के दायरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपको बता दें कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग जिले में 22 जुलाई को हेड कांस्टेबल आशिक हुसैन की दिनदहाड़े हत्या के आरोपी 22 वर्षीय मोहम्मद लतीफ भट की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले के लिए 15 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की है। कुलगाम निवासी भट पर आरोप है कि उसने अनंतनाग के लाल चौक स्थित भीड़भाड़ वाले बाजार में बेहद नजदीक से पुलिसकर्मी को गोली मार दी थी। इस सनसनीखेज वारदात के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सीसीटीवी फुटेज से उसकी तस्वीरें जारी कर पूरे कश्मीर में प्रमुख स्थानों पर पोस्टर लगाए हैं और लोगों से विश्वसनीय सूचना देने की अपील की है। यह घटना ऐसे समय हुई है जब घाटी में आतंकियों द्वारा नागरिकों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की घटनाओं पर सुरक्षा एजेंसियां लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही हैं। हाल ही में कुलगाम जिले में आतंकवादियों ने छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों की भी गोली मारकर हत्या कर दी थी, जिसके बाद आतंकियों और उनके नेटवर्क के खिलाफ अभियान और तेज कर दिया गया।

प्रयागराज में कार्यक्रम रद्द होने पर राहुल गांधी की हुंकार: छात्रों की आवाज नहीं दबा सकती सरकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

प्रयागराज। प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए जगह देने वाले ट्रस्ट ने अनुमति रद्द कर दी, जिसके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि बीजेपी सरकार चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह उन्हें छात्रों की आवाज उठाने से नहीं रोक सकती। विपक्ष के नेता का यह बयान तब आया जब कायस्थ पाठशाला ट्रस्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए उनके 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम की अनुमति रद्द कर दी। यह कार्यक्रम 8 अगस्त को प्रयागराज के केपी ग्राउंड में होना था। ट्रस्ट ने कार्यक्रम रद्द करने के लिए आयोजन स्थल पर जलभराव का भी हवाला दिया। राहुल ने एक्स पर लिखा कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र फीस वृद्धि और सीट कटौती के खिलाफ अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। लेकिन प्रशासन छात्रों को सुनने के बजाय उन पर [illegible] कर रहा है। मोदी सरकार की नीति ही युवाओं की आवाज दबाना है। सवाल पूछो तो लाठी, विरोध करो तो मुकदमे, और आवाज उठाओ तो पेलेट गन। उन्होंने कहा कि जब मैंने छात्रों की बात को सुनने के लिए प्रयागराज आने का फैसला किया, तब से प्रशासन मेरे कार्यक्रम को हर संभव तरीके से रोकने की कोशिश कर रहा है। साफ है, उन्हें छात्रों की गूंज से भी डर लग रहा है। मैं छात्रों के साथ हूँ। सरकार चाहे जितनी भी कोशिश कर ले, मुझे छात्रों की आवाज उठाने से रोक नहीं सकती। प्रयागराज के केपी ग्राउंड में आठ अगस्त को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम ''छात्रों की गूंज'' के लिए अनुमति केपी ट्रस्ट द्वारा रद्द किए जाने के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आठ अगस्त को प्रयागराज आएंगे और छात्रों से संवाद करेंगे। प्रयागराज में देर शाम राय ने पत्रकारों से कहा कि यह शहीदों और प्रतियोगी छात्रों की धरती है और यहां शुरू से प्रतियोगी छात्र अपना भविष्य तलाशते रहे हैं।

अतीक अहमद के छोटे बेटे अबान की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

झांसी। पुलिस के अनुसार, मारे गए गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान की गुरुवार को उत्तर प्रदेश के झांसी में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि अबान प्रयागराज से झांसी जा रहा था ताकि जेल में बंद अपने भाई से मिल सके। रास्ते में, जिस सफेद हुंडई क्रेटा कार में वह सवार था, वह कथित तौर पर बेकाबू हो गई और सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अबान और उसके दोस्त सोनू की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय गाड़ी कथित तौर पर तेज रफ़्तार में थी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अबान और उसके दोस्त सोनू की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, हादसा होते समय गाड़ी तेज रफ़्तार में थी।

दुष्कर्म के दोषी पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को 10 साल की सख्त जेल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। गोवा में बॉम्बे हाई कोर्ट ने गुरुवार को निचली अदालत के 2021 के बरी करने के फैसले को पलट दिया और 'तहलका' मैगजीन के पूर्व एडिटर 61 वर्षीय तरुण तेजपाल को 2013 में गोवा के एक फाइव-स्टार होटल में 'थिंकफेस्ट' कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी एक जूनियर सहयोगी के साथ रेप का दोषी ठहराया। जस्टिस नीला गोखले और अमित जमसांडेकर की बेंच ने गुरुवार को तेजपाल को 10 साल की कड़ी सजा सुनाई। मई 2021 में, गोवा की एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट ने तेजपाल को रेप और यौन उत्पीड़न के आरोपों से बरी कर दिया था। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर चर्चा हो रही थी; यह घटना दिल्ली में एक बस में 23 साल की छात्रा के रेप और हत्या के एक साल बाद हुई थी, जिसने देश भर में आक्रोश पैदा किया था और सरकार को ऐसे अपराधों को रोकने के लिए कड़े कानून बनाने पर मजबूर किया था।

आरक्षण-विरोधी आवाजें हुई तेज! जंतर-मंतर से सड़कों तक प्रदर्शन, करणी सेना ने खाई वोट न देने की कसम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में जाति-आधारित आरक्षण को लेकर राजनीति और समाज में एक बार फिर तीखी बहस छिड़ गई है। देश में ऑनलाइन अभियानों से लेकर जमीनी स्तर तक आरक्षण-विरोधी आवाजें तेजी से संगठित और मुखर हो रही हैं। नीट (NEET) पेपर लीक पर टीवी डिबेट में जाति-आधारित व्यवस्था के खिलाफ बोलने वाले युवा हर्ष दुबे के सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोअर्स बन चुके हैं और वे अब नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। यह घटना अकेली नहीं है, पिछले कुछ हफ्तों में घटीं कई घटनाओं से साफ संकेत मिलता है कि आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ एक व्यापक और जन-असंतोष की भावना उभर रही है। दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

पिछले कुछ हफ़्तों में, कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जो आपस में जुड़ी हुई नहीं लगतीं, लेकिन इनसे एक व्यापक भावना के उभरने का संकेत मिलता है।

ऑनलाइन, आरक्षण-विरोधी अभियान को एक मजबूत आधार मिला है। 'रिजर्वेशन हटाओ आंदोलन' (RHA) का इंस्टाग्राम पेज, जो उखढ विरोध प्रदर्शनों के कमजोर पड़ने के साथ तेजी से लोकप्रिय हुआ, अब उसके लगभग 5.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। यह पेज जाति-आधारित आरक्षण के खिलाफ आवाज उठा रहा है और इसे तर्कसंगत बनाने की मांग कर रहा है।

कलयुग के रिश्ते! हमें खाना खाना है, और कितना वक्त लगेगा?...

वीडियो कॉल पर पिता का अंतिम संस्कार देख रही बेटी के शब्द! 5100 रुपये देकर निभाया फर्ज!

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। रिश्तों के खोखलेपन और आधुनिक समाज की संवेदनाहीनता को बयां करने वाली एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। सोनीपत के एक ओल्ड-एज होम में रह रहे वृद्ध शिवचरण राम रतन गुप्ता का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी अपनी तीन बेटियों की पढ़ाई-लिखाई और उन्हें काबिल बनाने में न्योछावर कर दी थी, लेकिन अंतिम समय में कोई भी बेटी उनके पास मौजूद नहीं थी। नेपाल, उत्तर प्रदेश और मुंबई में रह रही तीनों बेटियों ने वीडियो कॉल के जरिए पिता का अंतिम संस्कार देखा। मूल रूप से मुंबई के रहने वाले और टेक्सटाइल के पूर्व व्यापारी शिवचरण राम रतन गुप्ता पिछले करीब दो साल से ओल्ड-एज होम में रह रहे थे। वह अपनी पत्नी मीना के साथ वहां आए थे, जिनका पहले ही निधन हो चुका था।

लंबी बीमारी के बाद मंगलवार सुबह करीब 3.30 बजे गुप्ता का निधन हो गया। उनकी मौत के बाद ओल्ड-एज होम के मैनेजमेंट ने उनकी तीनों बेटियों से संपर्क किया। बेटियां अंतिम संस्कार के लिए सोनीपत नहीं पहुंच सकीं और उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया। ओल्ड-एज होम के मैनेजमेंट और स्थानीय समुदाय के सदस्यों की मदद से अंतिम संस्कार किया गया।

बेटियों ने ऑनलाइन देखा पिता का अंतिम संस्कार

ओल्ड-एज होम के एडमिनिस्ट्रेटर आनंद कुमार के मुताबिक, गुप्ता अक्सर ओल्ड-एज होम में रखे फोन से अपनी बेटियों से बात करते थे। हालांकि, बीमार पड़ने के बाद उनकी फोन पर बातचीत कम हो गई थी। कुमार ने बताया कि मौत से करीब 20 दिन पहले बेटियों को उनके पिता की बिगड़ती सेहत के बारे में जानकारी दी गई थी, लेकिन वे उनसे मिलने नहीं आईं। कुमार ने कहा, 'शिवचरण के पास एक फोन था जिससे वह अपनी बेटियों से बात करते थे। बीमार पड़ने के बाद उनकी कॉल आनी बंद हो गईं। हमने उन्हें उनकी हालत के बारे में बताया, लेकिन फिर भी वे नहीं आ सकीं।'

गुप्ता की मौत के बाद मैनेजमेंट ने फिर से बेटियों से संपर्क किया और कहा कि अगर वे सोनीपत आती हैं तो इंतजाम किया जा सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि उनके पास यात्रा करने का समय नहीं है। इसके बाद बेटियों ने वीडियो कॉल के जरिए अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया और दूर से ही अपने पिता का अंतिम संस्कार देखा। नेपाल में रहने वाली और टीचर के तौर पर काम करने वाली अनीता ने ऑनलाइन 5,100 रुपये भी भेजे और गुजारिश की कि उनके पिता का अंतिम संस्कार ठीक से किया जाए। अंतिम संस्कार के बाद, बेटियों ने ओल्ड-एज होम से अंतिम संस्कार की प्रक्रिया का वीडियो भेजने को कहा। उनमें से एक को कॉल पर यह कहते हुए सुना गया, 'इसमें और कितना समय लगेगा? हमें खाना-पीना और नहाना भी है।'

मौत के बाद आँखें दान की गई

इस मामले की एक और अहम बात यह है कि परिवार की इच्छा के अनुसार, मौत के बाद गुप्ता की आँखें दान कर दी गईं। आँखें दान करने का मतलब है कि उनकी आँखें मौत के बाद भी जरूरतमंद लोगों को देखने में मदद कर सकती हैं। परिवार ने आँखें दान करके उनकी इच्छा का सम्मान किया। इस तरह, शिवचरण राम रतन गुप्ता का अंतिम संस्कार ओल्ड–एज होम के मैनेजमेंट और स्थानीय लोगों ने किया, जबकि उनकी तीनों बेटियों ने देश के अलग–अलग हिस्सों और नेपाल से वीडियो कॉल के जरिए यह सब देखा।

उन्होंने अपनी तीनों बेटियों को अच्छी शिक्षा दी थी

गुप्ता ने अपनी तीनों बेटियों की परवरिश और उनकी पढ़ाई-लिखाई पर पूरा ध्यान दिया था।

1 करोड़ का अवैध तंबाकू जब्त, अवैध तंबाकू व्यापार सिंडिकेट का भंडाफोड़

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में अवैध तंबाकू व्यापार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है और 1 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की 2,82,640 प्रतिबंधित इंपोर्टेड सिगरेट जब्त की हैं। यह ऑपरेशन दो चरणों में चलाया गया। पुलिस ने पहले करावल नगर में तीन लोगों से 12,640 इंपोर्टेड सिगरेट बरामद कीं और फिर बुधपुर इंडस्ट्रियल एरिया के एक गोदाम में छापेमारी के दौरान अलग-अलग ब्रांड की 2.70 लाख सिगरेट जब्त कीं। बाद में कथित सप्लायर को गिरफ्तार कर लिया गया। यह ऑपरेशन 4 अगस्त को तब शुरू हुआ जब पुलिस को करावल नगर में प्रतिबंधित इंपोर्टेड सिगरेट की खेप पहुंचाए जाने की सूचना मिली। शिव विहार में जाल बिछाया गया, जहां तीन लोग मोटरसाइकिल पर बोरे लेकर पहुंचे और ग्राहक का इंतजार करने लगे। पुलिस के एक सीनियर अधिकारी ने कहा जब कोई नहीं आया और वे जाने लगे, तो पुलिस ने उन्हें रोक लिया। आरोपियों की पहचान अंकित (35), विशाल (28) और राहुल (36) के तौर पर हुई, जो सभी करावल नगर के रहने वाले हैं। तलाशी के दौरान, पुलिस ने इंडोनेशिया में बनी 12,640 इंपोर्टेड सिगरेट वाले 79 कार्टन बरामद किए। पुलिस ने बताया कि सिगरेट के पैकेट पर 'सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद (COTPA) अधिनियम' के तहत जरूरी स्वास्थ्य चेतावनियां नहीं थीं, इसलिए भारत में इनकी बिक्री गैर-कानूनी थी।

संपादक की कलम से

यात्री कतारों में खड़े रहे, सुरक्षा के रखवाले सौदों में खड़े मिले

ललित शर्मा
संपादक

सुरक्षा का तमाशा अजीब है—कटघरे में यात्री खड़ा होता है, चूक भीतर होती है। वह चुपचाप बैग खोलता है, जूते-बेल्ट उतारता है, पानी की बोतल छोड़ता है, लैपटॉप अलग ट्रे में रखता है। उसे भरोसा रहता है कि यह असुविधा सुरक्षा की कीमत है। लेकिन इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर 'ऑपरेशन एयरोब्रिज' ने भरोसा तोड़ दिया। अबू धाबी से आया चांदी की परत चढ़ा लगभग एक किलो सोना एयरोब्रिज पर ही एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी को सौंपा गया। वह टैरमैक से उतरकर सुरक्षा व्यवस्था को छलता रहा और जांच में कस्टम अधिकारी की मिलीभगत सामने आई। तब यह केवल तस्करी नहीं रह जाती। सवाल है—जब सुरक्षा के पहरेदार ही चाबी बेचने लगें, तो यात्रियों की कठोर तलाशी आखिर किसकी सुरक्षा कर रही है हवाई अड्डों की सुरक्षा वहां नहीं टूटी, जहां दीवारें खत्म होती हैं; वह वहां टूटी, जहां भरोसा शुरू होता है। हमारे यहां सुरक्षा बाहर से आने वाले खतरे पर केंद्रित है। मशीनें, स्कैनर, कैमरे और नियम—सबकी निगाह यात्री पर रहती है, मानो सबसे बड़ा संदेह उसी पर हो। लेकिन दूसरी ओर खड़े कर्मचारियों, जिन्हें प्रतिबंधित क्षेत्रों में निर्बाध प्रवेश है और जिनकी पहचान ही पास है, उनकी निष्ठा की जांच नियमित और कठोर नहीं होती। इसलिए एयरोब्रिज से टैरमैक तक का रास्ता पूरी सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न बन गया। वहां न सुरंग थी, न तकनीकी चूक; केवल वर्दी, परिचित चेहरा और भीतर की मिलीभगत थी। किसी सुरक्षा तंत्र का इससे बड़ा लूपहोल नहीं हो सकता। सुरक्षा का बोझ बेगुनाह कंधों पर रखा जाता है। खाड़ी से कमाई लेकर लौटने वाला मजदूर, विदेश पढ़ने जाने वाला छात्र और छोटे व्यापार के लिए उड़ान भरने वाला व्यापारी—सभी समान तलाशी, प्रतीक्षा और संदेह झेलते हैं। जेबें खाली करवाई जाती हैं, बच्चों तक को स्कैनर से निकाला जाता है और घंटों कतार बाद कहा जाता है कि यह उनकी सुरक्षा के लिए है। लेकिन जब सुरक्षा तंत्र में बैठे लोग दस हजार रुपये के लालच में सीमा की पवित्रता गिरवी रख दें, तब अपमान उसी ईमानदार यात्री का होता है, जिसने हर नियम निभाया। सवाल है कि क्या जांच केवल उसी के लिए है, जबकि असली खतरा उन लोगों से पैदा हो रहा है, जिन्हें जांचने की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली? किसी व्यवस्था की हार तब होती है, जब नागरिक का भरोसा टूटने लगे। यह घटना सोने की तस्करी तक सीमित नहीं; लोकतांत्रिक विश्वास का संकट बन जाती है। नागरिक कानून से डरकर नहीं, व्यवस्था की निष्पक्षता पर भरोसे से जुड़ता है। लेकिन जब एयरलाइंस कर्मचारी और कस्टम अधिकारी मिलकर सुरक्षा की दीवार में सेंध लगा दें, तब यात्री मशीनों से नहीं, वर्दी से डरने लगता है। उसे सवाल सताता है कि जिस व्यवस्था ने उसे शक की नजर से देखा, उसने अपने लोगों पर आंखें क्यों मूंद लीं। यही क्षण है, जब सुरक्षा विश्वास का आधार नहीं, अविश्वास की वजह बनती है। हवाई अड्डे की कमजोर दीवार कंक्रीट की नहीं, मनुष्य के चरित्र की होती है। सुरक्षा की विडंबना यही है कि मशीनें बढ़ती गईं, पर ईमानदारी की जांच पीछे छूट गई। इस प्रकरण में सवाल तस्करी की तकनीक नहीं, व्यवस्था की मानसिकता है। चांदी की परत चढ़ाकर सोना लाना केवल कानून को चकमा देना नहीं था; सुरक्षा व्यवस्था पर मौन व्यंग्य था। उसने दिखा दिया कि आधुनिक मशीनें भी मनुष्य की बेईमानी के सामने असहाय हैं। करोड़ों के स्कैनर, सीसीटीवी, डिजिटल निगरानी और बहुस्तरीय जांच तब बेकार हो जाती है, जब भीतर बैठा व्यक्ति जिम्मेदारी बेच देता है।

दुश्मन को भी शांति की सौगात

उदय कशोर साह

कविता

चुप रहने की नहीं है मेरी कभी आदत
आईना को नित्य करता हूँ मैं इबादत
जो बिना डरे सहमे करता है बात
मैं भी दर्पण को मानता हूँ अपनी तात

झुठी वाह वाही से करता हूँ मैं नफरत
दुसरे को धमकाने की ना है कोई हसरत
साधारण व्यवहार का मैं हूँ एक साथी
मेरी दुश्मन है समाज में फैली जाति पाति

बड़े बुर्जुग का करता हूँ। मैं सदा सम्मान
जो भी हैं मेरे नजर में ज्ञानी व गुणवान
माता पिता हैं मेरे लिये साक्षात भगवान
नित्य उनके चरणों में है मेरा प्रणाम

बेईमानों शैतानों से बनाता हूँ मैं दूरी
स्वार्थ जीवन की नहीं बनी मेरी मजबूरी
विद्वजनों को मेरा है नित्य नमस्कार
जिन्होंने दी है हमें एक अच्छी संस्कार

राष्ट्रहित की मैं बराबर करता हूँ बात
दुश्मन को भी दोस्ती का मेरा सौगात
नहीं चाहिये समाज में नफरत की जात
रक्षा करना रब मेरी तुम दिन हो या रात

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

ललित गर्ग
लेखक

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मयार्दा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है। लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है।

महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो 'संवाद से समाधान' का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा। सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना। देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है।

यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें।

विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मयार्दा का सर्वोच्च आदर्श।

लोकतंत्र का मौन हत्यारा; विषाक्त राजनीति का बढ़ता साम्राज्य

एनके शर्मा
लेखक

लोकतंत्र किसी राष्ट्र की केवल शासन व्यवस्था नहीं होता; वह उसके नागरिक चरित्र, नैतिक चेतना और सामूहिक विवेक का जीवंत प्रतिबिंब होता है। इसकी वास्तविक शक्ति संसद की दीवारों, संविधान की धाराओं या चुनावी प्रक्रियाओं में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित होती है जिसके आधार पर नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं और शासन को वैधता प्रदान करते हैं। जब यही विश्वास धीरे-धीरे क्षीण होने लगे, जब जनमत को सूचना के स्थान पर भ्रम, संवाद के स्थान पर शोर और नीति के स्थान पर प्रचार नियंत्रित करने लगे, तब लोकतंत्र पर सबसे बड़ा संकट उत्पन्न होता है। यह संकट किसी तख्तापलट की तरह अचानक नहीं आता; यह धीरे-धीरे समाज की नसों में उतरता है। यही वह अवस्था है जिसे 'विषाक्त राजनीति' कहा जा सकता है—लोकतंत्र का वह मौन हत्यारा, जो संस्थाओं को भीतर से खोखला करता है।

विषाक्त राजनीति की सबसे बड़ी पहचान यह है कि उसका लक्ष्य शासन नहीं, बल्कि निरंतर राजनीतिक वर्चस्व बन जाता है। सत्ता सेवा का माध्यम नहीं रहती, बल्कि स्वयं उद्देश्य बन जाती है। तब चुनाव विचारों की प्रतियोगिता न होकर भावनाओं के ध्रुवीकरण का युद्ध बन जाते हैं। विरोधी दल प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि शत्रु घोषित किए जाने लगते हैं। असहमति को लोकतांत्रिक अधिकार के बजाय राष्ट्र-विरोध, समाज-विरोध या व्यवस्था-विरोध का पर्याय बना दिया जाता है। परिणामस्वरूप लोकतंत्र का वह मूल तत्व, जिसमें विविध मतों का सम्मान और सार्वजनिक विमर्श का स्थान होता है, धीरे-धीरे सिकुड़ने लगता है।

राजनीति का सबसे खतरनाक मुखौटा तब दिखाई देता है जब नैतिकता की भाषा का उपयोग केवल मंचों तक सीमित रह जाता है। चुनावों में पारदर्शिता, सुशासन, ईमानदारी और जनसेवा के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, किंतु व्यवहार में अवसरवाद, दल-बदल, निजी स्वार्थ और अल्पकालिक राजनीतिक लाभ प्राथमिकता बन जाते हैं। जनता से किए गए वादे राजनीतिक स्मृति से मिट जाते हैं, जबकि सत्ता-संतुलन बनाए रखने की गणनाएँ सर्वोपरि हो जाती हैं। इससे नागरिकों का लोकतांत्रिक विश्वास कमजोर होता है और राजनीति के प्रति व्यापक निराशा जन्म लेती है।

विषाक्त राजनीति केवल संसद या विधानसभाओं तक सीमित नहीं रहती। इसका प्रभाव समाज के प्रत्येक स्तर तक पहुँचता है। जब सार्वजनिक विमर्श में संयम की जगह कटुता ले लेती है, तब परिवार, शैक्षणिक संस्थान, सामाजिक संगठन और मीडिया भी उससे अछूते नहीं रहते। नागरिक अपनी राजनीतिक पहचान के आधार पर एक-दूसरे को देखने लगते हैं। संवाद की संस्कृति कमजोर होती है और समाज अनेक वैचारिक खेमों में बँटने लगता है। लोकतंत्र का उद्देश्य विविधता में एकता होता है, जबकि विषाक्त राजनीति विविधता को स्थायी विभाजन में बदलने का जोखिम पैदा करती है। इस विषाक्तता को बढ़ाने में सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल माध्यमों की भूमिका भी गंभीर विमर्श का विषय है। सोशल मीडिया ने नागरिक भागीदारी को बढ़ाया है, परंतु उसी के साथ अपुष्ट सूचनाएँ, भ्रामक दावे, ट्रोल संस्कृति और भावनात्मक उकसावे का प्रसार भी आसान हुआ है। जब तथ्यों की जगह सनसनी, और तर्क की जगह उत्तेजना सार्वजनिक चर्चा का आधार बन जाए, तब लोकतांत्रिक निर्णय भी प्रभावित होने लगते हैं। ऐसी स्थिति में नागरिक का विवेक लगातार चुनौती के सामने खड़ा रहता है। लोकतंत्र की एक और शक्ति स्वतंत्र संस्थाएँ होती हैं। न्यायपालिका, निर्वाचन प्रणाली, नियंत्रक एवं लेखा संस्थाएँ, स्वतंत्र मीडिया और नागरिक समाज—ये सभी लोकतंत्र के संतुलनकारी स्तंभ हैं। यदि इन संस्थाओं पर अनावश्यक दबाव, अविश्वास या राजनीतिक प्रभाव बढ़ने लगे, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसलिए किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में इन संस्थाओं की स्वतंत्रता, पारदर्शिता और जवाबदेही समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

मीडिया की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। पत्रकारिता यदि सत्ता और विपक्ष दोनों से समान दूरी रखते हुए तथ्यों के आधार पर जनता को सूचना दे, तो वह लोकतंत्र की प्रहरी बनती है। किंतु यदि मीडिया का कोई भाग राजनीतिक प्रचार, सनसनी या पक्षधरता का माध्यम बन जाए, तो नागरिकों तक संतुलित जानकारी पहुँचना कठिन हो जाता है। लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए आलोचनात्मक, तथ्यों पर आधारित और उत्तरदायी पत्रकारिता आवश्यक है।

विषाक्त राजनीति का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि शासन का ध्यान दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्रश्नों से हटकर अल्पकालिक राजनीतिक लाभ पर केंद्रित हो जाता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, न्यायिक सुधार, वैज्ञानिक अनुसंधान, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण, कृषि और आधारभूत संरचना जैसे विषय चुनावी विमर्श में पीछे छूट जाते हैं। राजनीतिक ऊर्जा का बड़ा हिस्सा आरोप-प्रत्यारोप और प्रतीकात्मक संघर्षों में व्यतीत होने लगता है। इससे विकास की गति और नीति-निर्माण दोनों प्रभावित हो सकते हैं।

वीडियो कॉल पर अंतिम विदाई: क्या बदलते दौर में रिश्ते अपनी आत्मीयता खो रहे हैं?

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर आध्यात्मिकता संवेदन शीलता सहिष्णुता पारिवारिक विश्वास और अतिथि देवो भव का गढ़ माने जाने वाले भारत सहित करीब करीब दुनियाँ के हर देश में यह प्रश्न गूंज रहा है, क्या आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार ने मनुष्य की संवेदनशीलता को पीछे छोड़ दिया है? क्या आर्थिक सफलता की दौड़ में रिश्तों की ऊष्मा धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है? यह केवल किसी एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक सामाजिक यथार्थ का दर्पण बनती दिखाई देती है।यह बात आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि एक घटना हरियाणा में हुई, 5 अगस्त 2026 को अंतिम संस्कार किए जाने के बाद यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।इसके बाद गुरुवार 6 अगस्त 2026 को शाम देशभर के अनेक मीडिया प्लेटफॉर्म आई खबरों ने पूरे देश को गहरे भावनात्मक मंथन के लिए विवश कर दिया। यह घटना एक ऐसे प्रश्न को अवश्य सामने लाती है,जो केवल भारत का नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ का सामाजिक संकट बनता जा रहा है, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह पूछना चाहता हूं कि क्या आधुनिक विकास, वैश्वीकरण और डिजिटल जीवनशैली ने मनुष्य को आर्थिक रूप से समृद्ध लेकिन भावनात्मक रूप से निर्धन बना दिया है? क्या माता-पिता अब केवल जिम्मेदारी रह गए हैं, संबंध नहीं? क्या संवेदनशीलता की जगह सुविधा ने ले ली है?आज व्यक्ति के पास समय कम और साधन अधिक हैं।वह दुनियाँ के किसी भी कोने में बैठकर अपने माता-पिता से वीडियो कॉल पर बात कर सकता है, लेकिन उनके पास बैठकर कुछ पल बिताने का समय नहीं निकाल पा रहा। तकनीक ने दूरी घटाई है,पर कई मामलों में भावनात्मक निकटता भी कम कर दी है।सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो और दावों के अनुसार एक वृद्ध के अंतिम संस्कार के दौरान उनकी संतानों द्वारा जल्दबाजी और भोजन के लिए समय पूछने जैसी बातें कही गईं। इसी प्रकार कुछ अन्य वायरल दावों में अंतिम संस्कार को वीडियो कॉल पर देखने या विदेश एवं महानगरों में रहने वाले बच्चों के समयाभाव का उल्लेख भी सामने आया, इन घटनाओं ने समाज के सामने एक अत्यंत गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। मानव सभ्यता का सबसे बड़ा आधार केवल विज्ञान, अर्थव्यवस्था या तकनीक नहीं रहा, बल्कि रिश्तों की आत्मीयता करुणा,सहिष्णुता और पारिवारिक विश्वास रहा है। जब कोई पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए जीवनभर संघर्ष करता है,अपनी इच्छाओं का त्याग करता है और अपनी खुशियों को उनके सपनों में समाहित कर देता है,तब उसके जीवन की अंतिम यात्रा केवल एक धार्मिक संस्कार नहीं होती; वह पूरे परिवार के प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता की अंतिम अभिव्यक्ति होती है।यदि वही अंतिम क्षण जल्दबाजी, औपचारिकता या समय-प्रबंधन का विषय बन जाएँ, तो यह केवल एक परिवार की संवेदनहीनता नहीं, बल्कि समाज के नैतिक चरित्र पर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा होता है। बता दें कि मीडिया में आई घटना किसी स्वतंत्र आधिकारिक जांच या न्यायिक पुष्टि अभी तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

इसलिए इन्हें स्थापित तथ्य के बजाय रिपोर्टेड दावा मानकर ही उद्धृत करना उचित होगा। साथियों, वर्तमान समय में रोजगार,शिक्षा और बेहतर जीवन की तलाश में गांवों, कस्बों और छोटे शहरों से महानगरों तथा विदेशों की ओर प्रवासन तेजी से बढ़ा है। यह परिवर्तन आर्थिक दृष्टि से आवश्यक भी है और विकास का संकेत भी। लाखों युवाओं ने अपने परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है। किंतु इस विकास का एक मौन और पीड़ादायक पक्ष भी सामने आया है। माता-पिता वृद्धावस्था में अपने ही घरों में अकेले रह जाते हैं। बैंक खाते में नियमित धनराशि पहुँच जाती है, महंगे इलाज की व्यवस्था भी हो जाती है, लेकिन वह हाथ नहीं पहुँच पाता जो उनके कंधे पर स्नेह से रखा जाए। आर्थिक सहयोग जीवन को सुरक्षित बना सकता है, किंतु भावनात्मक उपस्थिति का कोई विकल्प आज तक दुनिया नहीं खोज सकी है।यह संकट केवल भारत तक सीमित नहीं है। जापान में कोडोकुशी अर्थात अकेले मृत्यु हो जाना एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय बन चुका है। यूरोप के अनेक देशों में लाखों बुजुर्ग अकेले रहते हैं।अमेरिका,ब्रिटेन, जर्मनी दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों में संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। सरकारें वृद्धजन कल्याण योजनाएँ चला रही हैं, आधुनिक देखभाल केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, लेकिन कोई भी सरकारी व्यवस्था परिवार के स्नेह, संतान के स्पर्श और अपनत्व की जगह नहीं ले सकती। यही कारण है कि विकसित देशों में भी अकेलेपन को सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट माना जाने लगा है। इससे स्पष्ट होता है कि यह केवल भारतीय समाज की समस्या नहीं, बल्कि आधुनिक वैश्विक सभ्यता के सामने खड़ी एक साझा मानवीय चुनौती है। साथियों, भारतीय संस्कृति ने सदैव माता-पिता को देवतुल्य स्थान दिया है।मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः केवल धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन का मूल दर्शन रहा है। संयुक्त परिवारों में तीन-तीन पीढ़ियाँ एक साथ रहती थीं। बच्चे अपने दादा-दादी और माता-पिता के बीच जीवन के संस्कार सीखते थे।वृद्ध व्यक्ति परिवार का अनुभव,धैर्य और नैतिक दिशा होते थे। किंतु शहरीकरण, उपभोक्तावाद, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की नई अवधारणाएँ और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी जीवनशैली ने इस संरचना को बदल दिया है। आज सफलता का मूल्यांकन वेतन, पद, विदेशी नौकरी और भौतिक उपलब्धियों से किया जाता है,जबकि सेवा, त्याग, सहिष्णुता और पारिवारिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्य धीरे-धीरे सामाजिक विमर्श से पीछे हटते दिखाई देते हैं। आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि तकनीक ने संवाद के साधन तो बढ़ा दिए हैं,परंतु संवाद की आत्मीयता कम कर दी है। वीडियो कॉल, सोशल मीडिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल संचार ने दूरियों को भौगोलिक रूप से समाप्त कर दिया, लेकिन कई बार भावनात्मक दूरी पहले से अधिक बढ़ गई। माता-पिता से प्रतिदिन कुछ मिनट वीडियो कॉल पर बात करना आसान हो गया है, किंतु उनके साथ बैठकर चाय पीने, उनके अनुभव सुनने या उनके अकेलेपन को समझने का समय कम होता जा रहा है। रिश्ते कभी-कभी स्क्रीन तक सीमित होकर रह गए हैं। आधुनिक तकनीक दोषी नहीं है; समस्या तब उत्पन्न होती है जब सुविधा, संवेदना का स्थान लेने लगती है। साथियों, फिर भी इस पूरे विमर्श में संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। प्रत्येक प्रवासी बेटा या बेटी संवेदनहीन नहीं होता। अनेक युवाओं की परिस्थितियाँ ऐसी होती हैं कि उन्हें अचानक छुट्टी नहीं मिलती, अंतरराष्ट्रीय यात्रा तुरंत संभव नहीं होती या रोजगार की बाध्यताएँ अत्यधिक कठोर होती हैं। कई माता-पिता स्वयं अपने बच्चों को आगे बढ़ने के लिए विदेश भेजते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य पर गर्व करते हैं। इसलिए किसी एक वायरल घटना के आधार पर पूरी पीढ़ी को दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं होगा। प्रश्न किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस सामाजिक संरचना का है जिसमें समय, सफलता और प्रतिस्पर्धा ने रिश्तों पर अभूतपूर्व दबाव बना दिया है।समस्या केवल अंतिम संस्कार तक सीमित नहीं है।समाज में संवेदनहीनता के अनेक रूप दिखाई देते हैं। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता करने के बजाय उसका वीडियो बनाना, किसी आपदा को मानवीय त्रासदी के बजाय सोशल मीडिया सामग्री के रूप में प्रस्तुत करना,या बुजुर्गों के अकेलेपन को सामान्य मान लेना,ये सभी संकेत बताते हैं कि हमारी सामूहिक संवेदना कहीं न कहीं कमजोर हुई है। सहिष्णुता धैर्य और करुणा किसी भी सभ्य समाज की पहचान होते हैं। यदि ये मूल्य क्षीण होने लगें, तो तकनीकी प्रगति भी समाज को भीतर से सटीकता से मजबूत नहीं बना सकती।

श्रावण कांवड़ यात्रा : डीएम-एसपी ने ब्रजघाट की सुरक्षा व्यवस्था परखी

स्नानघाटों, कांवड़ मार्ग, बैरिकेडिंग व यातायात प्रबंधन का लिया जायजा, श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। श्रावण मास कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने गढ़मुक्तेश्वर के ब्रजघाट क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्नानघाटों, कांवड़ मार्ग, बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था, पार्किंग स्थलों तथा श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूरी सतर्कता, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की लापरवाही या अव्यवस्था को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्नानघाटों पर सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। भीड़ प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, आपातकालीन सेवाएं तथा नियंत्रण कक्ष पूरी तरह सक्रिय रहें, ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति से तत्काल प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी बनाए रखने के भी निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि श्रावण मास में ब्रजघाट पर प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं कांवड़िये पहुंचते हैं। इसे देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य कर रहा है। सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सुरक्षा, यातायात और जनसुविधाओं को मजबूत बनाया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े और कांवड़ यात्रा पूरी तरह सुरक्षित, व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके।

गंगा का बढ़ता जलस्तर: डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर। सावन माह में गंगा नदी के लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। इसी क्रम में जिलाधिकारी कविता मीना एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने गुरुवार को गढ़मुक्तेश्वर स्थित ब्रजघाट पहुंचकर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्नान घाटों पर कांवड़ यात्रियों के लिए की गई सुरक्षा, बैरिकेडिंग, पुलिस तैनाती, साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए इस दौरान जिलाधिकारी श्रीमती कविता मीना ने गंगा स्नान कर रहे कांवड़ियों से सीधे संवाद कर घाट पर उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और उनकी समस्याएं भी सुनीं। उन्होंने कहा कि गंगा का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। प्रत्येक कांवड़िए की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने भी सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाटों पर लगातार निगरानी बनाए रखें तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक संसाधन एवं पुलिस बल पूरी तरह तैयार रहें। जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे केवल निर्धारित एवं सुरक्षित घाटों पर ही स्नान करें, प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तत्काल ड्यूटी पर तैनात पुलिस अथवा प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क करें।

अंग्रेजी शराब व बीयर के दुकान पर आबकारी व पुलिस की छापेमारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

चेतिया/सिद्धार्थनगर। जिले में नकली व अवैध शराब के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को चेतिया (मालीजोत) स्थित अंग्रेजी शराब एवं बीयर की कम्पोजिट दुकान पर छापेमारी की। दुकान Shop ID 40925 है और लाइसेंस प्रसूनलता यादव के नाम पर है। टीम ने दुकान का लाइसेंस, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री के बिल और दीवार पर लगी रेट लिस्ट का गहनता से मिलान किया। साथ ही दुकान में रखी शराब की बोतलों की जांच भी की गई। छापेमारी के दौरान दुकान निर्धारित समय प्रातः 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक खुली मिली। टीम ने लगभग 30 मिनट तक जांच की। उक्त के संबंध में उप निरीक्षक आबकारी दिनेश कुमार ने बताया कि शासन के निर्देश पर जिले की सभी लाइसेंसी दुकानों की सघन जांच की जा रही है। किसी भी प्रकार की अनियमितता, ओवररेटिंग या नकली शराब की बिक्री पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

श्रावण कांवड़ यात्रा: जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने आदर्श कांवड़ शिविर का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने नगर पालिका परिषद द्वारा संचालित आदर्श कांवड़ शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई गई विभिन्न सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पेयजल, भोजन, चिकित्सा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सभी व्यवस्थाएं सुचारु एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क और प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा किसी भी समस्या की सूचना मिलते ही उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। जनपद प्रशासन और पुलिस द्वारा कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं।

हज-2027: यूपी के 22,510 आवेदकों का चयन, 10 अगस्त तक जमा करनी होगी पहली किश्त

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। हज–2027 के लिए आवेदन करने वाले उत्तर प्रदेश के 22,510 आवेदकों का चयन ऑनलाइन कुर्रा (लॉटरी) के माध्यम से कर लिया गया है। यह जानकारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नीरज कुमार अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति, लखनऊ से प्राप्त निदेर्शों के आधार पर दी। चयनित यात्रियों को इसकी सूचना हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई की ओर से उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि चयनित यात्रियों की सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया तथा उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति की वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रत्येक चयनित यात्री को पहली किश्त के रूप में 1,52,300 रुपये प्रति यात्री 10 अगस्त 2026 तक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया अथवा भारतीय स्टेट बैंक के निर्धारित खाते में जमा करना अनिवार्य होगा। भुगतान के बाद पे–इन स्लिप, हस्ताक्षरित हज आवेदन पत्र, घोषणा पत्र, अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट संबंधी घोषणा पत्र तथा मेडिकल स्क्रीनिंग एवं फिटनेस प्रमाणपत्र ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना होगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नीरज कुमार अग्रवाल ने बताया कि जिन यात्रियों को दस्तावेज अपलोड करने में किसी प्रकार की कठिनाई हो, वे हज ई–सुविधा केंद्र, अब्दुल वदूद सल्फी, बदर स्कूल, खजुरिया रोड, सिद्धार्थनगर पर संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति, लखनऊ में भी यह सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने जिले के सभी चयनित हज यात्रियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर पहली किश्त जमा कर आवश्यक अभिलेख अपलोड करने की अपील की है, ताकि हज–2027 की आगे की प्रक्रिया समय से पूरी हो सके।

बसपा ने सुहेल चौधरी व अमित अंबेडकर को सौंपी जिम्मेदारी

सुहेल चौधरी बने मुस्लिम भाईचारा संयोजक, अमित अंबेडकर को सह संयोजक का दायित्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्देश पर डुमरियागंज विधानसभा में संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नई जिम्मेदारियों का वितरण किया गया है। पार्टी ने सुहेल चौधरी को मुस्लिम भाईचारा संयोजक तथा अमित अंबेडकर को सह संयोजक नियुक्त किया है। जिला संयोजक शमीम अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश तथा मंडल संयोजक जब्बार अहमद एवं के.के. गौतम की सहमति से दोनों कार्यकताओं को यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और सभी वर्गों के बीच जनसंपर्क अभियान को गति देने में जुटी हुई है। नियुक्ति के बाद सुहेल चौधरी और अमित अंबेडकर ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने उन जैसे सामान्य कार्यकताओं पर जो विश्वास जताया है, उस पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गांव-गांव और बूथ स्तर तक कार्यकताओं को सक्रिय किया जाएगा। साथ ही वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनाने के लक्ष्य को लेकर पूरी ताकत के साथ कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला सह संयोजक मिश्री लाल गौतम, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राकेश कुमार गौतम, पूर्व विधानसभा महासचिव महेंद्र कुमार गौतम, उदयराज गौतम, रमेश कुमार विश्वकर्मा, जलील खान, अकरम अली, आशिक अली, मनोज कुमार शर्मा, धर्मराज यादव सहित बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

31 तक कराएं धान फसल का बीमा, प्राकृतिक आपदा में मिलेगा मुआवजा: कृषि अधिकारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ सीजन-2026 के लिए जनपद में किसानों की धान फसल का बीमा कराया जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी रविशंकर पाण्डेय ने बताया कि इस वर्ष यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को बीमा कंपनी नामित किया गया है। ऋणी किसान 31 अगस्त 2026 तथा गैर ऋणी किसान 14 अगस्त 2026 तक अपनी फसल का बीमा करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं, कीट एवं रोगों से फसल को होने वाले नुकसान की भरपाई की जाएगी। धान की फसल के लिए 86,200 रुपये प्रति हेक्टेयर तक का बीमा कवर निर्धारित किया गया है, जबकि किसान अंश प्रीमियम मात्र 1,724 रुपये प्रति हेक्टेयर है। योजना में बुवाई न हो पाने, फसल की मध्यावस्था में क्षति, ओलावृष्टि, आकाशीय बिजली, भूस्खलन, चक्रवात, बेमौसम बारिश तथा कटाई के बाद 14 दिनों तक खेत में सुखाई के दौरान होने वाली क्षति भी शामिल की गई है। गैर ऋणी किसानों को आधार कार्ड, मोबाइल नंबर, खतौनी, फसल बुवाई का घोषणा पत्र, बैंक पासबुक एवं आईएफएससी कोड के साथ निकटतम बैंक शाखा या कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर आवेदन करना होगा। फसल क्षति होने पर किसान 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना दर्ज करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला प्रबंधक अनुराग सिंह (मोबाइल: 9450173707) से संपर्क किया जा सकता है।

बच्चों के आधार का बायोमेट्रिक अपडेट समय पर कराएं, नहीं तो निष्क्रिय हो सकता है आधार: डीएम

वेलकम इंडिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बच्चों के आधार में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अभियान को सफल बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि बच्चों के आधार में पांच वर्ष की आयु पूरी होने पर पहला तथा 15 वर्ष की आयु पूरी होने पर दूसरा बायोमेट्रिक अपडेट (फिंगरप्रिंट, आईरिस और फोटो) कराना अनिवार्य है। यदि पहला अपडेट 5 से 7 वर्ष तथा दूसरा 15 से 17 वर्ष की आयु के बीच नहीं कराया गया तो आधार निष्क्रिय हो सकता है, जिससे बच्चे छात्रवृत्ति, डीबीटी, स्कूल प्रवेश और प्रतियोगी परीक्षाओं समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूलों में विशेष आधार शिविर लगाकर अधिक से अधिक बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेट कराया जाए। साथ ही अभिभावकों से भी अपील की गई कि वे निकटतम आधार सेवा केंद्र पर जाकर बच्चों का अनिवार्य अपडेट प्राथमिकता के आधार पर कराएं। बैठक में फैमिली आईडी बनाने की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए निर्धारित लक्ष्य समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत शौरयान, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरुण कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेष कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी वाचस्पति झा, सभी खंड विकास अधिकारी, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाली तीज, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर डीएम-एसएसपी ने की समीक्षा बैठक

सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य, साफ-सफाई, बिजली, पार्किंग और घाटों की व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों को दिए विस्तृत निर्देश

पार्थ चेतना टुडे

मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस, हरियाली तीज तथा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व के सफल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों अधिकारियों ने सभी विभागों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और कहा कि पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं एवं आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का समयबद्ध तरीके से निर्वहन करें। बैठक में जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले की सभी प्रमुख एवं संपर्क सड़कों को तत्काल गड्ढामुक्त कराया जाए तथा जहां मरम्मत की आवश्यकता है, वहां शीघ्र कार्य पूर्ण कराया जाए। सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए सभी सुरक्षा प्रबंध पहले से सुनिश्चित किए जाएं तथा डेंजर लेवल वाले स्थानों पर लाल झंडी एवं स्पष्ट मार्किंग कर लोगों को सतर्क किया जाए। उन्होंने नगर निगम, पुलिस, सिंचाई विभाग तथा संबंधित उपजिलाधिकारियों को नाव संचालकों के साथ बैठक कर सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि हरियाली तीज एवं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दौरान सभी सरकारी अस्पतालों की मैपिंग की जाए, चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित रहे तथा आवश्यकता पड़ने पर निजी अस्पतालों में भी बेड आरक्षित रखे जाएं। प्रमुख स्थलों पर स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएं तथा नियमित दूरी पर एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने विशेष रूप से घाटों के निकट अस्थायी स्वास्थ्य शिविर स्थापित करने और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को पूरी तरह सक्रिय रखने के निर्देश दिए।

बैठक में विद्युत विभाग के अधिकारियों को पर्वों के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने, खुले विद्युत बॉक्स बंद कराने, ट्रांसफार्मरों की फेंसिंग करने, बिजली के खंभों पर सुरक्षा के दृष्टिगत प्लास्टिक रैपिंग कराने तथा लटकते हुए बिजली के तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने नगर निगम, मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अधिकारियों को प्रमुख मार्गों, चौराहों, मंदिरों, पार्कों एवं प्रमुख स्थलों पर आकर्षक साज-सज्जा, फसाद लाइटिंग, तिरंगा लाइटिंग, सेल्फी प्वाइंट तथा बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और हरियाली तीज जैसे धार्मिक पर्व मथुरा की पहचान हैं, इसलिए सभी विभाग इन आयोजनों को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए पूरी गंभीरता से कार्य करें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने यातायात व्यवस्था की समीक्षा करते हुए एसपी ट्रैफिक को पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन करने तथा डाइवर्जन प्लान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम को पर्याप्त संख्या में बैरियर एवं बैरिकेडिंग लगाने के निर्देश दिए ताकि भीड़ नियंत्रण सुचारु रूप से किया जा सके। इसके अलावा सभी उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठक आयोजित करने तथा प्रमुख मंदिरों के प्रबंधकों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने नगर निगम, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं सभी अधिशासी अधिकारियों को शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने घाटों के आसपास बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती, पर्याप्त पेयजल, पार्किंग व्यवस्था, खोया-पाया केंद्र, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम), जूता-घर तथा दिशा-सूचक संकेतक लगाने के निर्देश भी दिए। साथ ही मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को आवारा पशुओं को पकड़कर उन्हें गौशालाओं में सुरक्षित पहुंचाने के निर्देश दिए, ताकि यातायात एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में नगर आयुक्त ओजस्वी राज, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल, क्षेत्राधिकारी नगर आशना चौधरी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) नंद प्रकाश मौर्य, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सचिव मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण आशीष कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे सहित सभी उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, जिला स्तरीय अधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में स्मार्ट क्लास की शुरूआत

स्मार्ट टीवी के माध्यम से पढ़ेंगे छात्र, डिजिटल शिक्षा से जुड़ेंगे ग्रामीण क्षेत्र के नौनिहाल; खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। विकास खंड बलदेव के ग्रामीण परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। आधुनिक तकनीक को शिक्षा से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में स्मार्ट टीवी आधारित स्मार्ट क्लास का शुभारंभ किया गया। खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने फीता काटकर स्मार्ट कक्षा का विधिवत उद्घाटन किया और इसे ग्रामीण शिक्षा को आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। शुभारंभ के बाद खंड विकास अधिकारी ने विद्यालय का निरीक्षण किया तथा छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से बच्चों को विषयों को समझने में आसानी होगी, उनकी सीखने की क्षमता विकसित होगी और पढ़ाई के प्रति रुचि भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच गुणवत्ता का अंतर कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नेहा रावत ने कहा कि स्मार्ट टीवी के माध्यम से अब बच्चों को विज्ञान, गणित, हिंदी, अंग्रेजी, सामान्य ज्ञान सहित विभिन्न विषयों के वीडियो, एनिमेशन और इंटरैक्टिव शैक्षणिक सामग्री दिखाई जा सकेगी। इससे कठिन विषयों को भी सरल और रोचक तरीके से समझाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित

शिक्षा विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच, तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने बताया कि स्मार्ट क्लास के माध्यम से विद्यार्थी अब केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि देश-दुनिया की नवीन जानकारियों, वैज्ञानिक तथ्यों और समसामयिक विषयों से भी परिचित होंगे। इससे उनकी बौद्धिक क्षमता और सामान्य ज्ञान का विकास होगा। उन्होंने कहा कि स्मार्ट टीवी लगने से कक्षा शिक्षण अधिक प्रभावी और आकर्षक बनेगा, जिससे बच्चों की उपस्थिति बढ़ने के साथ-साथ शिक्षण परिणामों में भी सकारात्मक सुधार देखने को मिलेगा।

कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों और अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होने से सरकारी विद्यालयों के प्रति लोगों का विश्वास और मजबूत होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी विद्यालय में इसी प्रकार की सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित शिक्षा का लाभ मिल सके।

प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने बताया कि विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को और बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में भी आधुनिक संसाधनों और नवाचारों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने का कार्य जारी रहेगा। इस अवसर पर बिंदु शर्मा, डॉ. ममता रानी, अचल कुमार, प्रेम चंद, पूजा रानी, अरुण कुमार, रविंद्र रावत, सुशेंद्र मित्तल सहित अनेक शिक्षक, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने किया।

वन बंदोबस्त में फंसी भूमिधरी प्रक्रिया, ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। विकासखंड पूरनपुर की ग्राम पंचायत मुड़ैनिया गांधीनगर में वन बंदोबस्त प्रक्रिया के चलते वर्षों से लंबित भूमिधरी अधिकारों का मामला एक बार फिर चर्चा में है। ग्राम पंचायत के प्रशासक एवं अधिवक्ता मुकेश कुमार ने गुरुवार को जिलाधिकारी पीलीभीत को ज्ञापन सौंपकर पात्र ग्रामीणों की भूमिधरी प्रक्रिया शीघ्र पूरी कराने की मांग की।ज्ञापन में कहा गया है कि ग्राम पंचायत क्षेत्र की भूमि वन बंदोबस्त प्रक्रिया के दायरे में होने के कारण भूमिधरी अधिकार प्रदान करने की कार्रवाई पूरी नहीं हो पा रही है।

इससे बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने वैध भूमि अधिकारों से वंचित हैं और उन्हें अनेक प्रशासनिक व आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।मुकेश कुमार ने बताया कि भूमिधरी न होने के कारण किसान विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। इसके अलावा बैंक ऋण, भूमि से संबंधित अभिलेखीय कार्य, राजस्व विभाग की अन्य प्रक्रियाएं तथा कई आवश्यक सरकारी सुविधाएं भी प्रभावित हो रही हैं।इसका सीधा असर ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति और विकास कार्यों पर पड़ रहा है।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि वन बंदोबस्त की कार्रवाई लंबे समय से लंबित रहने के कारण ग्राम पंचायत के विकास कार्य बाधित हो रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में असंतोष बढ़ रहा है।उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं, ताकि वन बंदोबस्त प्रक्रिया का शीघ्र निस्तारण हो सके और पात्र लोगों को उनके वैधानिक भूमिधरी अधिकार मिल सकें।प्रशासक मुकेश कुमार ने कहा कि ग्रामीण केवल अपने कानूनी अधिकारों की मांग कर रहे हैं। यदि भूमिधरी प्रक्रिया समय पर पूरी हो जाती है तो किसानों और ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने के साथ-साथ भूमि संबंधी समस्याओं से भी राहत मिलेगी।ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि जिला प्रशासन इस मांग पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करेगा और वर्षों से लंबित भूमिधरी प्रक्रिया को जल्द पूरा कराने की दिशा में प्रभावी कदम उठाएगा। इससे ग्राम पंचायत मुड़ैनिया गांधीनगर के विकास को नई गति मिलने के साथ ग्रामीणों को उनके वैधानिक अधिकार भी प्राप्त हो सकेंगे।

श्रीमती कमलेश वर्मा के निधन पर शोक की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। स्वर्णकार समाज मथुरा के वरिष्ठ पदाधिकारी अरविंद कुमार वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती कमलेश वर्मा के असामयिक निधन पर स्वर्णकार समाज में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर समाज के विभिन्न संगठनों, पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि श्रीमती कमलेश वर्मा सामाजिक एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थीं। उनका सरल, सौम्य एवं मिलनसार व्यक्तित्व सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत था। उनके असामयिक निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई

है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। शोक व्यक्त करने वालों में ओमप्रकाश वर्मा (पलसों वाले), दिनेश वर्मा, सत्येंद्र वर्मा, मुनेंद्र वर्मा, रामप्रकाश वर्मा, अजीत वर्मा, आशीष वर्मा, मिंकू वर्मा, तुलसीराम सोनी, सतीश वर्मा, कृष्णा वर्मा, लाला वर्मा तथा शिव कुमार सहित स्वर्णकार समाज के अनेक पदाधिकारी, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक शामिल रहे।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर सरस्वती विद्या मंदिर में आचार्यों की सामूहिक लेखन प्रतियोगिता आयोजित

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुरुवार को रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पूरनपुर में आचार्यों की सामूहिक वंदे मातरम्-लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य एवं आचायाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए वंदे मातरम् का सामूहिक लेखन किया तथा इसके शुद्ध उच्चारण, भाव और प्रस्तुति का अभ्यास किया। विद्यालय परिसर पूरे समय राष्ट्रभक्ति के वातावरण से ओतप्रोत रहा।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित परिचर्चा में बताया गया कि विद्या भारती शिक्षा समिति, ब्रज प्रदेश के निर्देशन में आगामी 29 सितंबर को देशव्यापी स्तर पर वंदे मातरम् का

सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस विशेष आयोजन में देशभर के विद्यार्थी, आचार्य परिवार, समिति सदस्य, अभिभावक, पूर्व छात्र एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधि एक साथ, एक समय और एक स्वर में वंदे मातरम् का गायन करेंगे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि लेखन प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य आचार्यों को वंदे मातरम का शुद्ध एवं प्रभावी लेखन और गायन का अभ्यास कराना है, ताकि वे विद्यार्थियों को भी सही उच्चारण, लय और भाव के साथ इसका अभ्यास करा सकें। इस अवसर पर राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विरासत और भारतीय जीवन मूल्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति समर्पण, स्वाभिमान और भारतीय संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौरान देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहा और आज भी नई पीढ़ी में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करने का महत्वपूर्ण माध्यम है।कार्यक्रम के अंत में सभी आचार्यों ने आगामी 29 सितंबर को होने वाले सामूहिक वंदे मातरम् गायन कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास जताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेंगे।

पुलिस ने हत्या का प्रयास करने के मामले में वाँछित 02 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली खलीलाबाद उ0नि0 प्रभान्शु कुमार राय, हे0का0 मो0 यूसुफ, का0 जयकिशन गोंड, का0 मुकेश कुमार व का0 बृजेश कुमार वर्मा ने थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 726/2026 धारा 115(2)/352/351(3)/109/110 बी0एन0एस0 में वांछित अभियुक्तगण आकाश पुत्र दीपचन्द्र निवासी ढोडई थाना कोतवाली खलीलाबाद, पवन पुत्र दीपचन्द्र निवासी ढोडई थाना कोतवाली खलीलाबाद को ढोढई से इस्लापुर जाने वाली नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। विदित हो कि वादिनी विध्यावती पत्नी गुरुदीन निवासी ढोडई थाना कोतवाली खलीलाबाद जनपद संतकबीरनगर द्वारा दिनाँक 05.08.2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद पर प्रार्थना पत्र दिया गया कि उक्त अभियुक्तगण द्वारा वादिनी के पुत्र को रात्रि में काम से घर वापस आते समय रास्ते में लोहे के राड से जान से मारने के नियम से हमला किया। जिससे वह गंभ्भीर रुप से घायल हो गया था।

जिज्ञासा कोचिंग संस्थान ने मनाया नौवां स्थापना दिवस, निदेशक आकाश सर 'जिज्ञासा रत्न' से हुए सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/वृन्दावन। वृन्दावन स्थित जिज्ञासा कोचिंग संस्थान का नौवां स्थापना दिवस गुरुवार को उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन से हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह को यादगार बना दिया। मुख्य अतिथि खंड विकास अधिकारी फरह प्रवीण झा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन, निरंतर परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के निदेशक आकाश सर ने विद्यार्थियों को सफलता के मंत्र

बताते हुए नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह दी। गणित के अध्यापक संस्कार शर्मा ने प्रतियोगी परीक्षाओं में गणित विषय को आसान बनाने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक चेतन राघव ने सभी अतिथियों का स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। उन्होंने बताया कि जिज्ञासा कोचिंग संस्थान से अब तक सैकड़ों छात्र-छात्राओं का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस, उपनिरीक्षक (दरोगा), शिक्षक सहित विभिन्न सरकारी सेवाओं में हो चुका है, जो संस्थान की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की मेहनत का प्रमाण है। समारोह के दौरान संस्थान के निदेशक आकाश सर को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'जिज्ञासा रत्न' सम्मान से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पत्नी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, जेवर, नकदी व आईफोन ले जाने की रिपोर्ट दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

अमरिया/पीलीभीत। अमरिया कस्बे में एक नवविवाहित व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बहला-फुसलाकर ले जाने, घर से लाखों रुपये के सोने के आभूषण, नकदी और मोबाइल फोन ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।कस्बा अमरिया निवासी गुलफाम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी लगभग तीन माह पूर्व अरसना पुत्री तौफीक अहमद उर्फ पप्पू निवासी ग्राम पंडरी, थाना सितारगंज, जनपद ऊधमसिंह नगर (उत्तराखंड) से हुई थी। आरोप है कि 30 जुलाई 2026 को उसकी पत्नी का भाई मोहसिन अपने अन्य भाइयों के साथ उसके घर पहुंचा। इस दौरान वे उसकी पत्नी को अपने साथ ले जाने लगे। गुलफाम का आरोप है कि जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट की। इतना ही नहीं, धारदार हथियार दिखाकर उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित का कहना है कि आरोपी उसकी पत्नी को अपने साथ ले गए। साथ ही घर में रखे करीब 15 तोला सोने के आभूषण, एक लाख रुपये नकद तथा एक आईफोन भी साथ ले गए। घटना के बाद पीड़ित ने अमरिया थाने पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई और आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच के दौरान दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए जाएंगे तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बंधक बनाकर बदमाशों ने लाखों के जेवर व नकदी लूटी

पूरनपुर के हुसैनापुर गांव में रात वारदात, छत पर पहरा देते रहे बदमाश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। रात आधा दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने एक घर में धावा बोलकर बेधक बनाकर लाखों रुपये के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। बदमाशों ने घर में सो रही महिला को बांका दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और पूरे परिवार को दहशत में रखकर वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया।

कोतवाली क्षेत्र की हरिपुर चौकी के अंतर्गत आने वाले गांव हुसैनापुर निवासी रामरतन भारती के परिवार के लोग बुधवार रात खाना खाने के बाद घर में सो गए थे। देर रात करीब आधा दर्जन नकाबपोश बदमाश घर में घुस आए। आहट होने पर चारपाई पर सो रही यशोदा देवी की आंख खुल गई। तभी दो बदमाशों ने उसे बांका दिखाकर चुप रहने की धमकी दी। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी मिलने से वह सहम गई और बदमाश बेखौफ होकर घर में लूटपाट करते

रहे।बदमाशों ने अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने का पेंडल, हार, कंगन, अंगूठी, कमरबंद, बिछुआ, पायल, मांग टीका सहित लाखों रुपये के कीमती जेवर और करीब 10 हजार रुपये की नकदी समेट ली। पीड़िता के अनुसार, दो बदमाश छत पर चढ़कर पहरेदारी कर रहे थे, जबकि बाकी बदमाश घर के अंदर सामान खंगालते रहे।बदमाशों के फरार होने के बाद यशोदा देवी ने शोर मचाया, जिस पर परिवार के अन्य सदस्य जाग गए। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने आसपास के क्षेत्र में बदमाशों की तलाश भी की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लग सका।घटना से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द खुलासे और बदमाशों की गिरफ्तारी की मांग की है।सीओ विधि भूषण मौर्य ने बताया कि उन्हें फिलहाल घटना की जानकारी नहीं है। जानकारी मिलने पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

शेरगढ़ में प्राचीन गोपीनाथ मंदिर का दिनदहाड़े ताला तोड़कर चोरों ने दिया घटना को अंजाम

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। जनपद के कस्बा शेरगढ़ में प्राचीन गोपीनाथ मंदिर में दोपहर करीब 12. 25 बजे लगभग दो व्यक्तियों के द्वारा मंदिर का ताला तोड़कर चांदी का मुकुट एवं चांदी की बांसुरी एवं अन्य सामान की ताला तोड़ कर की चोरी कर ले गए।

सारी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई जिसमें दो व्यक्ति बिना नंबर की एक हीरो होंडा बाइक पर दिखाई दे रहे हैं जिन्होंने दोपहर को प्राचीन गोपीनाथ मंदिर का ताला तोड़कर घटना को अंजाम दिया।

मंदिर के गुसाई खेमचंद ने जानकारी देते हुए बताया कि वह दोपहर को मंदिर के पट बंद करके खाना खाने गए थे वह वापस आए तो उनको मंदिर का ताला टूटा हुआ मिला अंदर जाकर देखा तो गोपीनाथ भगवान जी के मुकुट एवं बांसुरी मंदिर में नहीं थी। घटना की सूचना तुरंत 112 एवं थाना शेरगढ़ को दी गई। सूचना मिलते ही थाना शेरगढ़ पुलिस घटना स्थल पहुंच गई और पास में ही लगे सीसीटीवी चेक किये जिसमें एक हीरो होंडा बिना नंबर प्लेट की बाइक पर दो अज्ञात व्यक्ति दिखे जो की दोपहर को करीब 12.15 पर रेकी करते हुए दिखाई दिए मंदिर के आसपास घूम रहे थे थोड़ी देर बाद करीब 2.25 पर मंदिर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को दिया था अंजाम।

थाना शेरगढ़ प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर ने आश्वासन दिया कि बहुत जल्द चोरों की पहचान एवं चोरी का खुलासा किया जाएगा. ग्रामीणों का कहना है कि कश्बा में चोरों को पुलिस का कोई भय नहीं है जबकि पूर्व में भी मदन मोहन मंदिर में चोरी हो चुकी थी उसके पश्चात भी कोई सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई इसके पश्चात पुन दूसरी घटना देखने को मिली दिनदहाड़े चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद लोगों में भय व्याप्त हो गया है।

बरखेड़ा क्षेत्र के दर्जनों गांवों में धनपति वर्मा का जनसंपर्क, ग्रामीणों से किया संवाद

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने गुरुवार को 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के दर्जनों गांवों का व्यापक जनसंपर्क एवं भ्रमण कर ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं जनहितकारी सोच से अवगत कराया।धनपति वर्मा ने ब्रह्मदेव गौटिया, जिरौनिया, मड़ियन, चिनौरा, नवदिया शरीफगंज, सतारापुर, इंटारोडा, नारायनपुर, डंडिया भगत, डंडिया लच्छी, मूसेपुर जयसिंह, मुसरहा, लदपुरा, नवादा महेश, पतरासा कुंवरपुर, पतरसिया, शेखापुर, भैंसहा ग्वालपुर, पिपरा सहित अनेक गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं, विकास कार्यों और जनता की अपेक्षाओं पर विस्तार से चर्चा की।ग्रामीणों को संबोधित करते हुए धनपति वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा किसानों, युवाओं,

महिलाओं, मजदूरों, व्यापारियों, गरीबों और वंचित वर्गों के अधिकारों की आवाज बुलंद करती रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बेहतर आधारभूत सुविधाएं प्रत्येक नागरिक का अधिकार हैं और समाजवादी पार्टी इन्हीं मुद्दों को लेकर लगातार संघर्ष कर रही है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और जनता के बीच निरंतर संवाद आवश्यक है। इसी उद्देश्य से वह गांव-गांव जाकर लोगों से मिल रहे हैं, ताकि उनकी समस्याओं को जानकर संबंधित अधिकारियों और सरकार के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जा सके। धनपति वर्मा ने ग्रामीणों से सामाजिक सौहार्द, भाईचारा और विकास की राजनीति को मजबूत करने की अपील करते हुए समाजवादी पार्टी का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह जनता के सुख-दुख में हमेशा उनके साथ खड़े रहेंगे और क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्या के समाधान के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे।

जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों ने भी अपनी विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। धनपति वर्मा ने सभी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। उनके भ्रमण कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कार्यकर्ता एवं समर्थक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

दुकान पर युवक से नगदी व मोबाइल लूटा, विरोध पर पीटा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। सेहरामऊ उत्तरी थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े परचून की दुकान पर बैठे युवक से नगदी और मोबाइल छीनने का मामला सामने आया है। विरोध करने पर आरोपियों ने युवक की पिटाई कर घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।गांव कुरैया खुर्द कला निवासी एजाज मोहम्मद पुत्र इकलीम कुरैशी का गांव से जोगराजपुर जाने वाले मार्ग पर परचून का खोखा है। बुधवार शाम करीब छह बजे वह दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक दुकान पर पहुंचे और गुटखा खरीदा। उन्होंने 20 रुपये का भुगतान यूपीआई से किया। आरोप है कि इसके बाद दोनों युवकों ने एजाज को डरा- धमकाकर दुकान में रखे पांच हजार रुपये और उसका मोबाइल फोन छीन लिया। पीड़ित के विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट कर दी, जिससे वह घायल हो गया। शोर सुनकर ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देख दोनों युवक बाइक से जोगराजपुर की ओर फरार हो गए। ग्रामीणों ने उनका पीछा भी किया, लेकिन वे हाथ नहीं आए।बताया गया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में दोनों युवक मुंह पर रुमाल बांधे हुए दिखाई दिए हैं। घायल एजाज को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पूरनपुर भेजा गया। पीड़ित ने मामले की तहरीर पुलिस को दे दी है।सेहरामऊ उत्तरी थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया मारपीट की घटना है। अभी तहरीर नही मिली है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस: 'विकसित भारत-2047' की मजबूत बुनियाद बनेगा भारतीय हथकरघा

हाथ से बुना हर धागा बनेगा 'ब्रांड इंडिया' की पहचान, विरासत और तकनीक के संगम से आत्मनिर्भर भारत को मिलेगी नई उड़ान : गिरिराज सिंह

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा है कि किसी विकसित राष्ट्र का निर्माण केवल तकनीक से नहीं होता, बल्कि अपनी स्थायी खूबियों को भविष्य की प्रगति का आधार बनाने की क्षमता से होता है। उन्होंने कहा कि भारत जब 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है, तब भारतीय हथकरघा परंपरा देश की सबसे बड़ी सांस्कृतिक और आर्थिक ताकत बनकर उभर रही है। आगामी 7 अगस्त को मनाए जाने वाले 12वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया टिकाऊ, प्रामाणिक और हाथ से बने उत्पादों को महत्व दे रही है। ऐसे समय में भारतीय हथकरघा वैश्विक बाजार में अपनी नई पहचान बनाने की पूरी क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'विकसित भारत-2047' का संकल्प समृद्धि, आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और सांस्कृतिक आत्मविश्वास पर आधारित है। भारतीय हथकरघा विरासत और नवाचार का ऐसा संगम है, जो महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास, ग्रामीण उद्यमिता, रोजगार सृजन और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को नई गति देता है।

गिरिराज सिंह ने रामचरितमानस के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने विजय का आधार शक्ति नहीं, बल्कि सत्य, धैर्य, करुणा और सद्गुणों को बताया है। यही मूल्य सदियों से भारतीय हथकरघा परंपरा की पहचान रहे हैं। हाथ से बुना प्रत्येक वस्त्र केवल कपड़ा नहीं, बल्कि परंपरा, धैर्य, ईमानदारी, कौशल और पीढ़ियों की विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर अठारहवीं शताब्दी तक भारतीय वस्त्रों ने पूरी दुनिया में उत्कृष्टता का परचम लहराया। बनारसी सिल्क, कांचीपुरम सिल्क, पोचमपल्ली इकत और बंगाल की प्रसिद्ध मलमल जैसी बुनाई आज भी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हाथ से बुना हर उत्पाद 'ब्रांड इंडिया' की वैश्विक पहचान बने। उन्होंने बताया कि हथकरघा भारत का सबसे बड़ा कुटीर उद्योग है, जिससे 35 लाख से अधिक बुनकर और कारीगर जुड़े हुए हैं। इनमें लगभग 72 प्रतिशत महिलाएं हैं। पिछले एक दशक में सरकार ने कच्चा माल आपूर्ति योजना, 797 हथकरघा क्लस्टर, 1.24 लाख से अधिक उन्नत

करघे, लगभग 97 हजार कारीगरों के कौशल विकास, जीआई टैग, हैंडलूम मार्क, इंडिया हैंडमेड सर्टिफिकेशन, अर्बन हाट और डिजाइन रिसोर्स सेंटर जैसी योजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र को नई मजबूती प्रदान की है। इसके अलावा 29 बुनकर सेवा केंद्र तथा 11 इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैंडलूम टेक्नोलॉजी को भी सशक्त बनाया जा रहा है, ताकि प्रशिक्षण, डिजाइन विकास और विपणन सुविधाओं का विस्तार हो सके। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नवाचार हमेशा भारतीय हथकरघा की पहचान रहा है। महात्मा गांधी के अंबर चरखे से लेकर आज आईआईटी के सहयोग से विकसित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हैंडलूम टेक्नोलॉजी' तक, तकनीक लगातार बुनकरों को सशक्त बना रही है। 'हैंडलूम 4.0' पहल के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीकों के माध्यम से गुणवत्ता, उत्पादकता और रखरखाव की निगरानी की जा रही है। आधुनिक करघों से न केवल उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि दिव्यांग बुनकरों को भी कार्य करने में सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य तकनीक के माध्यम से बुनकरों को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। बेहतर ब्रांडिंग, मूल्य संवर्धन और सीधी बाजार पहुंच के जरिए बुनकरों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। सरकार का विजन है कि आने वाले वर्षों में प्रत्येक बुनकर सम्मानजनक आय अर्जित करते हुए प्रति माह 50 हजार रुपये तक की कमाई कर सके। गिरिराज सिंह ने कहा कि हथकरघा का भविष्य केवल बाजार पर नहीं, बल्कि हमारी सोच पर भी निर्भर करता है। बुनकर केवल कामगार नहीं, बल्कि उद्यमी, नवोन्मेषक और भारत की सांस्कृतिक पहचान के वाहक हैं। उन्होंने युवाओं से विरासत, तकनीक, रचनात्मकता और उद्यमिता को एक साथ जोड़कर हथकरघा उद्योग के नए युग का नेतृत्व करने का आह्वान किया। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर उन्होंने देशवासियों से अधिक से अधिक हथकरघा उत्पाद खरीदने और उनका उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि हाथ से बुना प्रत्येक उत्पाद किसी बुनकर के परिवार की आजीविका को मजबूत करता है, सदियों पुरानी परंपरा को जीवित रखता है और भारत की संस्कृति को विश्वभर में नई पहचान दिलाता है। उन्होंने कहा कि हथकरघा को अपनाकर हम केवल अपनी विरासत को नहीं, बल्कि विकसित भारत के भविष्य को भी बुनते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का प्रयास है कि भारतीय हथकरघा उद्योग को आधुनिक तकनीक, ई-कॉमर्स, डिजिटल विपणन और वैश्विक बाजारों से जोड़कर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए। इसके लिए बुनकरों को डिजाइन नवाचार, गुणवत्ता सुधार, वित्तीय सहायता और विपणन सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश का प्रत्येक बुनकर आत्मनिर्भर बने और उसके उत्पादों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी उचित पहचान और सम्मान मिले।

युवाओं को से जोड़ने के उद्देश्य से सीमावर्ती एवं दूरस्थ क्षेत्रों में नई एनसीसी इकाइयों के गठन एवं विस्तार की आवश्यकता : एनसीसी महानिदेशक

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय कैडेट कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेन्द्र वत्स, वाईएसएम, एसएम, वीएसएम ने नई दिल्ली स्थित उत्तराखण्ड निवास में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उत्तराखण्ड में एनसीसी के विस्तार, सीमांत एवं दुर्गम क्षेत्रों तक एनसीसी की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने तथा संगठन की आधुनिक एवं सुदृढ़ आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। महानिदेशक ने राज्य के अधिकाधिक युवाओं को से जोड़ने के उद्देश्य से सीमावर्ती एवं दूरस्थ क्षेत्रों में नई एनसीसी इकाइयों के गठन एवं विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने राज्य में आधुनिक प्रशिक्षण अवसंरचना के विकास, प्रशिक्षण सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा प्रस्तावित एनसीसी

अकादमी की स्थापना सहित विभिन्न भावी योजनाओं की रूपरेखा से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार युवाओं के सर्वांगीण विकास, राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा सेवा-भाव को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर युवाओं में राष्ट्रीय चरित्र, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने वाला देश का एक प्रतिष्ठित संगठन है, जिसकी राष्ट्र निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने राज्य में एनसीसी के विस्तार तथा प्रस्तावित आधारभूत संरचना विकास से संबंधित सभी पहलों के लिए राज्य सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से राज्य के युवाओं को व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व प्रशिक्षण एवं राष्ट्र सेवा के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे।

नदी के तेज बहाव में बहे मोर को ग्रामीणों ने बचाया

देहरादून। ग्राम बरोटीवाला के पास शीतला नदी के तेज बहाव में बहे एक मोर को ग्रामीणों की तत्परता और वन विभाग के सहयोग से सुरक्षित बचा लिया गया। पानी की लहरों में फंसने से राष्ट्रीय पक्षी की स्थिति फिलहाल नाजुक बनी हुई है। वन विभाग की टीम ने उसे अपने संरक्षण में लेकर उपचार शुरू कर दिया है, जिसके स्वस्थ होने के बाद उसे वापस जंगल में छोड़ दिया जाएगा। घटनाक्रम के अनुसार, बृहस्पतिवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे कालसी वन प्रभाग की चौहाड़पुर रेंज को बरोटीवाला क्षेत्र में शीतला नदी में एक मोर के बहने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही विभाग के सर्पमित्र आदिल मिर्जा तत्काल मौके पर पहुंचे। इस बीच, स्थानीय ग्रामीणों ने बिना कोई देरी किए बहाव के बीच से मोर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया था, जिसके बाद वन कर्मी ने उसे अपने कब्जे में ले लिया। रेंजर पंकज ध्यानी ने बताया कि पानी की तेज लहरों में फंसने के कारण मोर की स्थिति अभी नाजुक बनी हुई है।

सरकारी स्कूल में चोरोंने बोला धावा, रसोई का ताला तोड़ गैस सिलेंडर किया चोरी

वेलकम इंडिया मोहसीन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव खेडा कुर्तान स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय में चोरों ने धावा बोलते हुए कार्यालय और रसोई का ताला तोड़ दिया। चोर रसोई से गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए, जबकि कार्यालय से बैटरी चोरी करने का प्रयास किया। बाद में बैटरी विद्यालय के पास झाड़ियों में बरामद हो गई। प्रधानाध्यापक ने मामले की तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव खेड़ा कुर्तान के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक अक्षय कुमार ने बताया कि गुरुवार सुबह जब विद्यालय का स्टाफ स्कूल पहुंचा तो कार्यालय और रसोई के ताले टूटे हुए। अंदर जाकर देखा तो कार्यालय का सामान बिखरा पड़ा था। वहीं रसोई से गैस सिलेंडर गायब था। घटना की

सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से आसपास तलाश की। इस दौरान विद्यालय से ले जाई गई बैटरी पास की झाड़ियों में बरामद हो गई, जबकि गैस सिलेंडर और अन्य सामान का कोई सुराग नहीं लग सका। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने ग्राम प्रधान नौशाद ग्रामीणों के साथ थाने पहुंचकर तहरीर देकर चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह का कहना है कि तहरीर प्राप्त हो गई है पुलिस टीम गठित की गई है जल्दी चोरी का खुलासा कर चोरों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कांग्रेस के अग्निवीर योजना के विरोध में निकाली आक्रोश रैली

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के अध्यक्ष कर्नल रोहित चौधरी जी तथा प्रदेश कांग्रेस चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत के नेतृत्व में अग्निवीर योजना के विरोध में देहरादून में आक्रोश रैली निकाली गई। रैली प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से घंटाघर, लैंसडाउन चौक एवं परेड ग्राउंड होते हुए पुनः कांग्रेस भवन पहुंची। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक एवं उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस पूर्व सैनिक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष कर्नल राम रतन नेगी, सूर्यकांत धस्माना, प्रवक्ता अभिनव थापर, जिलाध्यक्ष मोहित उनियाल, जसविंदर सिंह गोगी, अश्वनी बहुगुणा, सोनिया आंनद, सैनिक प्रकोष्ठ के गोपाल सिंह गड़िया, बलबीर सिंह पंवार, आर पी ध्यानी, सूरत सिंह नेगी, शेखर सकलानी सहित कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। रैली के माध्यम से अग्निवीर योजना को वापस लेने, युवाओं के हितों की रक्षा करने तथा सेना की पारंपरिक भर्ती व्यवस्था बहाल करने की मांग उठाई गई।

मूसलाधार बारिश से जलमग्न, सड़कों पर जलभराव और कीचड़ से जनजीवन प्रभावित

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। नगर एवं क्षेत्र में देर रात से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। नगर के कई प्रमुख मार्गों, सरकारी कार्यालयों और अस्पताल परिसर में जलभराव हो गया, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कच्ची सड़कों पर कीचड़ फैलने से लोगों का आवागमन प्रभावित रहा। लगातार बारिश के चलते कच्चे मकानों के गिरने का खतरा भी बढ़ गया है। बारिश के कारण नगर के प्रमुख मार्गों पर पानी भर जाने से वाहन चालकों, राहगीरों और स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। विकासखंड कार्यालय परिसर और आवासीय कॉलोनी में जलभराव होने से कर्मचारियों को कार्यालय पहुंचने में दिक्कत हुई तथा सरकारी कार्य भी प्रभावित रहा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में भी पानी भर

जाने से उपचार के लिए आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं सलेमपुर मार्ग, बिजलीघर मार्ग, शिवाला मार्ग, गंगेरू मार्ग और घसौली मार्ग समेत कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी रही। ग्रामीण क्षेत्र की राज गार्डन कॉलोनी, जन्नत कॉलोनी सहित अन्य बस्तियों में कच्ची सड़कों पर कीचड़ फैल जाने से लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बारिश में यही स्थिति बन जाती है। नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने जिला प्रशासन से जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराने, नालों की सफाई कराने और जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, सांप के डंसने से 14 वर्षीय किशोर की मौत

वेलकम इंडिया मोहसीन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव हाजीपुर दुगड्डा निवासी 14 वर्षीय किशोर की सांप के डंसने से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब किशोर अपने परिवार के साथ सहारनपुर जनपद के नकुड़ थाना क्षेत्र स्थित ननिहाल में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गया था। किशोर की मौत से शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। गुरुवार को परिजनों ने गमगीन माहौल में शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थाना क्षेत्र के गांव हाजीपुर दुगड्डा निवासी सरवर का 14 वर्षीय पुत्र अर्ष अपने परिजनों के साथ सहारनपुर जनपद के नकुड थाना क्षेत्र के गांव घाटमपुर में अपनी मां के मायके में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गया था। बताया गया कि बुधवार देर रात अर्ष सो रहा था। इसी दौरान उसे जहरीले सांप ने डंस लिया।

कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन आनन-फानन में उसे उपचार के लिए सहारनपुर के एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। उपचार के दौरान किशोर ने दम तोड़ दिया। गुरुवार को परिजन किशोर के शव को लेकर गांव हाजीपुर दुगड्डा पहुंचे, जहां गमगीन माहौल में परिजनों ने सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। किशोर की असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

13 महिलाओं को मिलेगा तीलू रौतेली पुरस्कार, 8 अगस्त को सीएम धामी करेंगे सम्मानित

217 आवेदनों में से चयनित हुईं प्रदेश की उत्कृष्ट महिलाएं, 35 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी मिलेगा राज्य स्तरीय सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित तीलू रौतेली राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए 13 महिलाओं का चयन कर लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आगामी 8 अगस्त को हरिद्वार बाईपास मार्ग स्थित संस्कृति विभाग के सभागार में आयोजित भव्य समारोह में चयनित महिलाओं को सम्मानित करेंगे। इस अवसर पर राज्य की 35 उत्कृष्ट आंगनबाड़ी कार्यकताओं को भी राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। महिला सशक्तीकरण और सामाजिक योगदान के क्षेत्र में यह सम्मान उत्तराखंड का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार माना जाता है। राज्य सरकार प्रत्येक वर्ष वीरांगना तीलू रौतेली की जयंती के अवसर पर समाज सेवा, शिक्षा, खेल, संस्कृति, कला, पर्यावरण संरक्षण, साहित्य, संगीत और महिला सशक्तीकरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली

महिलाओं और किशोरियों को इस सम्मान से नवाजती है। वर्ष 2006 से शुरू हुई इस पुरस्कार योजना का उद्देश्य समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित कर अन्य महिलाओं और युवतियों को प्रेरित करना है। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष तीलू रौतेली पुरस्कार के लिए प्रदेश के सभी 13 जिलों से कुल 217 आवेदन प्राप्त हुए थे। विस्तृत जांच और चयन प्रक्रिया के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली 13 महिलाओं का चयन किया गया। इसके अतिरिक्त राज्य स्तरीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुरस्कार के लिए 220 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 35 आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सम्मान के लिए चुना गया है। विभाग को सबसे अधिक 29 आवेदन नैनीताल जिले से प्राप्त हुए, जबकि देहरादून से 23, हरिद्वार से 22, अल्मोड़ा से 21, उत्तरकाशी से 24, पिथौरागढ़ से 13, टिहरी गढ़वाल से 13, चमोली और चंपावत से 12-12, रुद्रप्रयाग और ऊधमसिंह नगर से 11-11, तथा बागेश्वर और पौड़ी गढ़वाल से आठ-आठ आवेदन प्राप्त हुए थे। सभी आवेदनों का विभिन्न मानकों पर मूल्यांकन करने के बाद अंतिम सूची जारी की गई।

इस वर्ष उत्तरकाशी की श्वेता बधानी (स्वतंत्री) को सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान, अल्मोड़ा की पुष्पा फर्त्याल को संस्कृति एवं कला, बागेश्वर की दया दानू को समाज सेवा, चमोली की नंदा सती को संगीत, चंपावत की रितिका बगोली को पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा, देहरादून की नीतू रानी को शिक्षा एवं बहादुरी, हरिद्वार की वैशाली शर्मा को समाज सेवा, नैनीताल की लतिका को खेल, पौड़ी गढ़वाल की प्रियंका थपलियाल को खेल, समाज सेवा एवं महिला सशक्तीकरण, पिथौरागढ़ की कलावती देवी को सामाजिक कार्य, रुद्रप्रयाग की दुर्गा देवी को समाज सेवा, टिहरी गढ़वाल की सरिता कोठियाल को सामाजिक क्षेत्र तथा ऊधमसिंह नगर की पुष्पा देवी को दिव्यांग खेलों में उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए तीलू रौतेली पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

राज्य सरकार का मानना है कि इन महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया है। उनके कार्य न केवल महिला सशक्तीकरण को नई दिशा देते हैं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी हैं। सरकार का उद्देश्य ऐसे व्यक्तित्वों को सार्वजनिक सम्मान देकर समाज में सेवा, समर्पण और उत्कृष्टता की भावना को प्रोत्साहित करना है। आठ अगस्त को आयोजित होने वाले समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चयनित महिलाओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकताओं को सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तथा विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोग भी उपस्थित रहेंगे।

नगर निगम के पशु चिकित्सा अनुभाग ने मीट की दुकानों का सघन निरीक्षण अभियान चलाया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। नगर निगम के पशु चिकित्सा अनुभाग की टीम ने नगर आयुक्त के दिशा निर्देशन एवं आदेशों के क्रम में आरा घर चौक और चूना भट्टा क्षेत्र स्थित मीट की दुकानों का सघन निरीक्षण अभियान चलाया। अभियान के दौरान कई मीट विक्रेताओं के पास आवश्यक लाइसेंस और नगर निगम की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं पाए गए।

निरीक्षण के दौरान नियमों के उल्लंघन पर कुल 45,250 का चालान किया गया, जबकि 5,000 की नोटिस कार्रवाई भी की गई। जिन दुकानों पर कार्रवाई हुई, उनमें बिना नगर निगम की एनओसी के संचालन किया जा रहा था। साथ ही कई दुकानों में अत्यधिक गंदगी पाई गई तथा डीप फ्रीजर में पुराना मीट और चिकन भी रखा मिला। निरीक्षण के

दौरान यह भी पाया गया कि अधिकांश दुकानों में बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में आवश्यक जनरेटर की व्यवस्था नहीं थी। अभियान का नेतृत्व वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. वरुण अग्रवाल ने किया।

उनके साथ कनिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रोहित गहलोत, टीम सदस्य सुनील, सूरज, पिल्ला तथा जेब्रा फोर्स के तीन पुरुष और एक महिला कर्मचारी मौजूद रहे। नगर निगम ने सभी मीट विक्रेताओं से अपील की है कि बरसात के मौसम में दुकानों में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें, किसी भी प्रकार की गंदगी न होने दें तथा समय पर मीट और अन्य अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमित कार्रवाई जारी रहेगी।

वाराणसी मंडल में आरपीएफ का सराहनीय अभियान

दो मोबाइल चोर गिरफ्तार, बिछड़े बुजुर्ग को परिजनों से मिलाया, घायल यात्री को समय पर पहुंचाई चिकित्सा सहायता

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पंकज चुघ के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) यात्रियों की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण एवं मानवीय सेवा के क्षेत्र में लगातार सराहनीय कार्य कर रही है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, ऑपरेशन यात्री सुरक्षा, बचपन बचाओ अभियान, मानव तस्करी की रोकथाम तथा जरूरतमंद यात्रियों की सहायता के लिए आरपीएफ द्वारा नियमित रूप से विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 5 अगस्त 2026 को आरपीएफ पोस्ट सिवान एवं राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) सिवान की संयुक्त टीम ने सीवान रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए दो शातिर मोबाइल चोरों को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी छपरा-गोरखपुर रेलखंड के विभिन्न रेलवे स्टेशनों एवं ट्रेनों में यात्रियों के मोबाइल चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। उनके कब्जे से ओप्पो एवं रियलमी कंपनी के दो चोरी के मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 35 हजार रुपये है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध रेल थाना सिवान में भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई।

रेल मदद 139 पर प्राप्त सूचना के आधार पर गाड़ी संख्या 12566 से यात्रा कर रहे 70 वर्षीय किशोरी पासवान अपने परिजनों से बिछड़ गए थे। सूचना मिलते ही आरपीएफ पोस्ट सिवान के जवानों ने तत्काल खोजबीन कर उन्हें सुरक्षित बरामद किया और अपने संरक्षण में रखा। आवश्यक सत्यापन एवं दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें उनकी पुत्री मंजू कुमारी पासवान, निवासी जनकपुर (नेपाल), के सुपुर्द कर दिया गया। अपने परिजन को सकुशल पाकर परिवार ने आरपीएफ की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया।

इसी दिन सुरक्षा नियंत्रण कक्ष वाराणसी से सूचना मिली कि फेफना रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 14524 से उतरते समय एक युवक गिरकर घायल हो गया। सूचना मिलते ही फेफना स्टेशन पर तैनात आरपीएफ कांस्टेबल सतीश कुमार राय मौके पर पहुंचे। स्टेशन मास्टर से प्राप्त मेमो के आधार पर एंबुलेंस की व्यवस्था कर घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, नरही (बलिया) पहुंचाया गया, जहां उसका प्राथमिक उपचार कराया गया। चिकित्सकों द्वारा बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर किए जाने के बावजूद परिजनों ने अपनी स्वेच्छा से उसे घर ले जाने का निर्णय लिया। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पंकज चुघ के नेतृत्व में आरपीएफ यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ मानवीय सेवा कार्यों में भी लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है। अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और जरूरतमंद यात्रियों की समय पर सहायता से यात्रियों में सुरक्षा का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। रेलवे प्रशासन ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे अभियान निरंतर जारी रहेंगे, ताकि रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और भरोसेमंद यात्रा का वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

मंडल चिकित्सालय वाराणसी में आज लगेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन की अध्यक्षता तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक आर. जे. चौधुरी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे के मंडल चिकित्सालय, वाराणसी में आज (शुक्रवार) को प्रातः 10 बजे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित होगा। शिविर का उद्देश्य समाज में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा मानव सेवा के इस पुनीत कार्य में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता बढ़ाना है। कार्यक्रम में रेलवे के अधिकारी, चिकित्सक, कर्मचारी, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। शिविर में इच्छुक रक्तदाता स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव जीवन बचाने के इस महत्वपूर्ण अभियान में अपना योगदान देंगे। रक्तदान करने वाले सभी पात्र रक्तदाताओं का चिकित्सकीय परीक्षण किया जाएगा तथा स्वास्थ्य संबंधी सभी आवश्यक मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की निगरानी में पूरी प्रक्रिया संपन्न होगी, जिससे रक्तदाताओं की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा सके। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक आर. जे. चौधुरी ने रेलकर्मियों एवं आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे इस जनकल्याणकारी पहल में बढ़-चढ़कर भाग लें और स्वैच्छिक रक्तदान कर समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा कर सकता है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

3.12 ग्राम स्मैक के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

तश्करी करने वाले तश्करी बंद नही करेंगे तो एसपी सिखाएंगे सबक

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। नशामुक्त जिला बनाने की मुहिम के तहत पुलिस ने एक व्यक्ति को 3.12 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। बुधवार शाम कपकोट थाना पुलिस की टीम भराड़ी रोड पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान 21 वर्षीय दीपक फर्स्वाण उर्फ दक्ष पुत्र गोविंद सिंह फर्स्वाण निवासी पालीडुंगरा की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान उसके पास से 3.12 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। आरोपी को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ थाना कपकोट में धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा ने बताया कि सभी पुलिस अधिकारियों से स्मैक तश्करी करने वालों का डाटा तैयार कर उन पर पैनी नजर बनाते हुए ऐसे अवैध तश्करो पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। जहां भी युवा स्मैक तश्करो के जाल में फंसकर नशे के आदी बन रहे है वहां अभिवावकों और आसपास के लोगो से ऐसे स्मैक तश्करी करने वाले लोगों की गुप्त सूचना पुलिस को देने की अपील की। उन्होंने ऐसे तशकरो से अवैध नशे का कारोबार नही छोड़ने पर सख्त करावाई की चेतावनी दी। बताया कि आरोपी के खिलाफ पूर्व में एनडीपीएस और बीएनएस के तहत दो मुकदमे दर्ज हैं।

प्लॉट दिलाने के नाम पर 9.90 लाख की ठगी में शाइन सिटी पर प्राथमिकी दर्ज

वाराणसी। प्लॉट बेचने के नाम पर 9.90 लाख रुपये लेने के बावजूद कब्जा नहीं देने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) के आदेश पर कैंट थाना पुलिस ने शाइन सिटी प्रॉपर्टीज प्रा. लि., उसके अधिकृत प्रतिनिधि ऐतुल रशीद तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ पल्लवी सिंह की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की है। कादीपुर, तरना निवासी पल्लवी सिंह ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि 18 फरवरी 2017 को उन्होंने कंपनी के वाराणसी कार्यालय से राजातालाब स्थित सेक्टर-2 में प्लॉट खरीदने का सौदा किया था। आरोप है कि कंपनी के प्रतिनिधियों ने विकसित कॉलोनी में प्लॉट देने का भरोसा दिलाया, जिसके बाद उन्होंने चेक, बैंक ट्रांसफर और अन्य बैंकिंग माध्यमों से अलग-अलग किश्तों में कुल 9.90 लाख जमा किए।

सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों पर गिरा मलबा, बड़ा हादसा टला

भूस्खलन से स्कॉर्पियो और ऑल्टो कार क्षतिग्रस्त, पुलिस व आपदा प्रबंधन टीम ने जेसीबी से निकाले वाहन

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांडा। कांडा तहसील मुख्यालय के समीप स्थित धपोली गांव में गुरुवार को अचानक हुए भूस्खलन से सड़क किनारे खड़ी दो गाड़ियां मलबे की चपेट में आ गईं। हादसे में एक स्कॉर्पियो और एक ऑल्टो कार क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि, समय रहते लोग वहां से हट गए, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धपोली गांव में सड़क के ऊपरी हिस्से की भूमि अचानक भरभराकर नीचे आ गिरी। देखते ही देखते भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ गया और वहां खड़ी स्कॉर्पियो तथा ऑल्टो कार उसकी चपेट में आ गईं। मलबा गिरने से दोनों वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा। गनीमत रही कि घटना से कुछ ही क्षण पहले एक व्यक्ति वहां से गुजर रहा था। वह पास की दुकान पर पहुंचा ही था कि अचानक ऊपर से भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ गिरा। यदि वह कुछ देर और सड़क पर रहता तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही कांडा थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन विभाग की टीम ने भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। जेसीबी मशीन की मदद से मलबे में दबे दोनों वाहनों को बाहर निकाला गया और सड़क से मलबा हटाकर यातायात सुचारु कराया गया। बताया गया कि मलबे की चपेट में आने से आनंद धपोला सहित एक अन्य व्यक्ति के वाहन को काफी नुकसान हुआ है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से भूस्खलन संभावित क्षेत्रों का सर्वे कर सुरक्षा के स्थायी इंतजाम करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से जनहानि और संपत्ति के नुकसान को रोका जा सके।

कांवड़ यात्रा के चलते मेरठ में वनवे व्यवस्था, अतुल माहेश्वरी सेतु पर भीषण जाम

पांच मिनट का सफर एक घंटे में हुआ पूरा, दिल्ली रोड से बिजली बंबा बाईपास तक वाहनों की लंबी कतारें

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर शहर में लागू वनवे व्यवस्था के बीच गुरुवार शाम मेरठ की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। अमर उजाला कार्यालय के सामने स्थित श्री अतुल माहेश्वरी सेतु पर भीषण जाम लग गया। हालात ऐसे रहे कि सामान्य दिनों में महज पांच मिनट में पूरा होने वाला सफर लोगों को लगभग एक घंटे में तय करना पड़ा। दिल्ली रोड, बिजली बंबा बाईपास और आसपास के मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं, जिससे हजारों वाहन चालक और यात्री घंटों तक परेशान रहे। शाम करीब छह बजे दिल्ली रोड पर नवीन मंडी से लेकर रिठानी तक तथा बिजली बंबा बाईपास पर भारी जाम की स्थिति बन गई। कांवड़ियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए सड़क की एक लेन आरक्षित किए जाने के कारण दूसरी लेन पर दोनों दिशाओं के वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया। इसके चलते यातायात की रफ्तार पूरी तरह थम गई और कई स्थानों पर वाहन आमने-सामने फंस गए। अतुल माहेश्वरी सेतु पर सबसे अधिक परेशानी देखने को मिली। फ्लाईओवर पर कार, ऑटो, बस और दोपहिया वाहन लंबे समय तक रेंगते रहे। जाम इतना गंभीर था कि दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी निकलना मुश्किल हो गया। कार्यालयों से घर लौट रहे कर्मचारी, छात्र-छात्राएं और अन्य यात्रियों को लंबे समय तक जाम में फंसे रहना पड़ा। कई लोगों ने वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेने की कोशिश की, लेकिन वहां भी यातायात का दबाव बढ़ने से कोई विशेष राहत नहीं मिल सकी। मौके पर यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिसकर्मी लगातार यातायात को सुचारु कराने में जुटे रहे। पुलिस ने कई स्थानों पर वाहनों को नियंत्रित कर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही और वाहनों की अधिक संख्या के कारण यातायात सामान्य होने में काफी समय लगा। पुलिस ने वाहन चालकों से धैर्य बनाए रखने और निर्धारित डायवर्जन मार्गों का पालन करने की अपील भी की। उधर, नौ अगस्त को शोभित विश्वविद्यालय में कांवड़ियों पर प्रस्तावित पुष्पवर्षा कार्यक्रम के मद्देनजर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संभावित दौरे को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। गुरुवार को शोभित विश्वविद्यालय के हेलिपैड से लेकर बेगमपुल क्षेत्र तक व्यापक सुरक्षा जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआईयू), एंटी-सबोटाज (एएस) टीम तथा बम डिस्पोजल एंड डिटेक्शन स्क्वाड (बीडीडीएस) ने विभिन्न स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वस्तुओं की जांच की। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। प्रशासन का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था में आवश्यक परिवर्तन किए गए हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले डायवर्जन प्लान की जानकारी प्राप्त करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर प्रशासन का सहयोग करें।

ससुरालियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाकर वीडियो में बयां किया दर्द, तलाश जारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। अगर मेरी लाश मिले तो मेरी पत्नी को मुझे देखने मत देना... यह दर्द भरे शब्द बोलकर 28 वर्षीय युवक ने अपने भाई के मोबाइल पर वीडियो भेजा और फिर रहस्यमय ढंग से लापता हो गया। वीडियो सामने आने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोग युवक की तलाश में संभावित स्थानों पर भटकते रहे। बाद में हरदोई ब्रांच नहर किनारे उसकी बाइक मिलने से अनहोनी की आशंका और गहरा गई।

सूचना पर पुलिस और एसएसबी ने नहर में रेस्क्यू अभियान शुरू किया, लेकिन देर शाम तक युवक का कोई सुराग नहीं लग सका।बरेली जनपद के रिठौरा मोहनपुर निवासी महिपाल (28) ने 5 अगस्त को अपने भाई के मोबाइल पर करीब 1 मिनट 21 सेकंड का वीडियो भेजा। वीडियो में उसने सास, ससुर, साले समेत अन्य ससुरालियों पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए अपना दर्द बयां किया। दूसरी वीडियो में उसने हरदोई ब्रांच नहर पर बाइक लॉक कर उसकी चाबी पटरी पर रखने की बात दिखाई। वीडियो मिलते ही परिजन युवक की तलाश में निकल पड़े। गुरुवार को उसके भाई सूर्य प्रकाश ने माधोटांडा थाने में तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने नहर किनारे से बाइक बरामद कर ली और एसएसबी के सहयोग से नहर में रेस्क्यू अभियान चलाया, लेकिन देर शाम तक युवक का कोई पता नहीं चल सका। परिजनों का आरोप है कि ससुराल पक्ष की कथित प्रताड़ना से परेशान होकर महिपाल ने यह कदम उठाया। हालांकि, किसी प्रत्यक्षदर्शी ने उसे नहर में कूदते हुए नहीं देखा है। कोतवाल अशोक पाल सिंह ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है।

आरोग्य दर्पण द्वारा विकसित भारत 2047 एवं 'नेशनल आइकॉन अवार्ड्स 2026' का भव्य आयोजन

राष्ट्रीय चिंतन, विकसित भारत-2047 के विजन पर व्यापक मंथन एवं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों का भव्य सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

नई दिल्ली। आरोग्य दर्पण द्वारा कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में 'नेशनल कॉन्क्लेव-विकसित भारत 2047' एवं 'नेशनल आइकॉन अवार्ड्स 2026' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प में समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता को सशक्त करना तथा राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित करना था।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सौरभ तिवारी, एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी, भारत सरकार एवं भारतीय जनता पार्टी उत्तराखंड की उपाध्यक्ष डॉ. स्वराज विद्वान पूर्व सदस्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार एवं उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद प्रदीप गांधी सचिव, अखिल भारतीय पूर्व सांसद संघ एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती रश्मि मिश्रा, सलाहकार, एमएसएमई, भारत सरकार, अधिशासी अधिकारी डासना नगर पंचायत महेश श्रीवास्तव की उपस्थित रही।

कार्यक्रम के प्रमुख वक्ताओं में पद्मश्री डॉ. मोहसिन वली, फजल इमाम मल्लिक, पूर्व वरिष्ठ उप-संपादक, जनसत्ता नई दिल्ली, तेज प्रताप नारायण, वरिष्ठ अधिकारी, रेल मंत्रालय, भारत सरकार; तथा राजेश सक्सेना, पूर्व उप निदेशक, दिल्ली सरकार शामिल रहे। इसके अतिरिक्त न्यायपालिका, चिकित्सा, शिक्षा, उद्योग, मीडिया, सामाजिक संगठनों तथा देश के विभिन्न राज्यों से आए अनेक गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। 'विकसित भारत 2047' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में वक्ताओं ने आत्मनिर्भर भारत, नवाचार, डिजिटल सशक्तिकरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता तथा जनभागीदारी को विकसित भारत की आधारशिला बताया। वक्ताओं ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब सरकार, उद्योग, शिक्षाविद, सामाजिक संस्थाएँ तथा देश का प्रत्येक नागरिक अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। सुशासन, प्रौद्योगिकी, समावेशी विकास और जनभागीदारी को विकसित भारत 2047 की दिशा में महत्वपूर्ण बताया गया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में 'नेशनल आइकॉन अवार्ड्स 2026' के अंतर्गत देशभर से चयनित उन विशिष्ट व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सेवा, प्रशासन, उद्योग, साहित्य, मीडिया, विज्ञान तथा राष्ट्र निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी योगदान दिया है।

इस अवसर पर आरोग्य दर्पण के चेयरमैन रामप्रकाश वर्मा, उपाध्यक्ष नवीन शुक्ला तथा महासचिव देवेंद्र प्रताप सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिराज प्रकाश द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत श्रीमती रीतू प्रकाश, गौरव प्रकाश एवं श्रीमती प्रियंका वर्मा ने किया। अपने संबोधन में रामप्रकाश वर्मा ने कहा कि नेशनल आइकॉन अवार्ड्स केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तित्वों के कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने का एक प्रयास है। विकसित भारत का निर्माण केवल नीतियों से नहीं, बल्कि ऐसे समर्पित नागरिकों के सतत योगदान से संभव होगा। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश पाल वर्मा 'जसाला' की नवीन पुस्तक का अतिथियों द्वारा लोकार्पण किया गया, जिसकी उपस्थित जनसमूह ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। कार्यक्रम का सफल एवं प्रभावी संचालन पुनीत मिश्रा, उप निदेशक, बाल एवं महिला विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किया गया। संपूर्ण आयोजन गरिमामय एवं प्रेरणादायी वातावरण में संपन्न हुआ। देशभर से आए प्रतिभागियों ने इस आयोजन को राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सार्थक पहल बताते हुए भविष्य में भी ऐसे राष्ट्रीय विमर्शों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर का किया औचक निरीक्षण

\अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ मनोज सेन ,अपर निदेशक मेरठ मंडल मेरठ, संयुक्त निदेशक मेरठ मंडल मेरठ डॉ तालियांन एवं डॉ.सचिन चंद्र वैश्य, मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें तीनों अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर का लेबर रूम और महिला वार्ड ,इमरजेंसी वार्ड, इमरजेंसी, व अस्पताल प्रांगण का बारीकी से निरीक्षण किया गया।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ.दिनेश कुमार एवं इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सा, अधिकारी डॉ .विवेक गोविंद राव एवं चीफ फार्मासिस्ट डॉ.करण कसाना उपस्थित मिले। चिकित्सा अधीक्षक डॉ.दिनेश कुमार द्वारा तीनों अधिकारियों को निरीक्षण कराया, निरीक्षण के दौरान सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गई परंतु उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण करने पर डॉ.संजय त्यागी अनुपस्थित पाए गए।

जिनका एक दिन का वेतन रोके जाने की संस्कृति की गई एवं स्टाफ नर्स मंजू द्वारा संतोष जनक जवाब न देने पर एक दिन का वेतन रोके जाने की संस्कृति की गई है, बाकी सभी व्यवस्थाएं तथा साफ सफाई संतोषजनक पाई गई । इस मौके पर अपर निदेशक मेरठ मंडल मेरठ डॉ.मनोज सेन द्वारा स्वास्थ्य कैंप का भी निरीक्षण किया गया। जिसमें कांवड़ियों से संबंधित सभी व्यवस्थाओं की भी जांच की गई। ऑक्सीजन सिलेंडर तथा ऑक्सीजन कंसंट्रेटर भी जांच गए, जो संतोषजनक पाए गए, सभी अधिकारियों द्वारा चिकित्सा अधीक्षक डॉ.दिनेश कुमार द्वारा की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया गया एवं कांवड़ियों की सुविधाओं को और बढ़ाने के लिए आदेशित किया गया, साथ ही निर्देशित किया गया है कि सावन के पवित्र महीने में हमारे कावड़ यात्री बड़ी ही श्रद्धा के साथ कावड़ लेकर आ रहे हैं, उन्हें किसी भी प्रकार की कोई सुविधा न हो ,इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया की कावड़ यात्रियों के लिए 20 वार्ड इमरजेंसी में रिजर्व किए गए हैं।

विधानसभा में गूंजी एमएलसी दिनेश कुमार गोयल की आवाज, जनता से जुड़े तीन महत्वपूर्ण मुद्दे रखे

#वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य दिनेश कुमार गोयल ने जनहित से जुड़े तीन महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए विधान परिषद में नियम-110 एवं नियम-111 के अंतर्गत सूचनाएं प्रस्तुत कीं। उन्होंने प्रदेश के सरकारी भवनों की जर्जर स्थिति, सार्वजनिक उपयोग की सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों तथा मेरठ महानगर की वर्षों से लंबित सीवर लाइन परियोजना को तत्काल प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराने की मांग की।

एमएलसी श्री गोयल ने कहा कि मेरठ महानगर के जोन-6, पार्ट-1 में लगभग तीन वर्ष पूर्व तैयार की गई सीवर लाइन को आज तक चालू न किए जाने का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 112 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह परियोजना शुरू होने से लगभग 20 लाख लोगों को जल निकासी की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने सरकार से इस परियोजना को तत्काल संचालित कराने की मांग की।

एमएलसी दिनेश गोयल ने कहा कि प्रदेश के अनेक सरकारी कार्यालय, पंचायत भवन, स्वास्थ्य केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र एवं अन्य सार्वजनिक भवन जर्जर अवस्था में हैं, जिससे कर्मचारियों और आम नागरिकों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा बना हुआ है। उन्होंने सरकार से सभी जर्जर भवनों का तकनीकी सर्वे कराकर आवश्यकतानुसार मरम्मत, पुनर्निर्माण तथा दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अतिरिक्त विषय में उन्होंने प्रदेशभर में चारागाह, नदी, तालाब एवं अन्य सार्वजनिक उपयोग की सरकारी भूमि पर हो रहे अवैध कब्जों और अनियमित आवंटनों पर चिंता व्यक्त करते हुए निष्पक्ष जांच, अवैध कब्जों को हटाने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों का संरक्षण जनहित और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है।

स्वास्थ्य सेवा शिविर में कावड़ियों को मिलेगी बेहतर ईलाज की सुविधा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राज चौराहे पर लगे प्रशासनिक कांवड़ सेवा शिविर के साथ ही जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिकल सेवा शिविर भी लगाया गया है ।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सचिन चंद वैश्य के निर्देशन में संचालित कांवड़ मेला स्वास्थ्य शिविर की जानकारी देते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में कावड़ियों के लिए सभी प्रकार की प्राथमिक सेवाओं का इंतजाम किया गया है। शिविर में छह एमबीबीएस डॉक्टर्स के अलावा आयुर्वेदिक चिकित्सक व अन्य मेडिकल सहायक स्टाफ 24 घंटे मौजूद रहेगा। शिविर में सांप आदि के काटने का ईलाज भी उपलब्ध है। डॉ करण ने बताया कि गंभीर हालत के मरीजों के लिए यहां एंबुलेंस की सुविधा भी 24 घंटे उपलब्ध रहेगी जिसमें मरीजों को उच्च अस्पताल के लिए ले जाया जाएगा।

चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने किया मित्र मंडल ग्राम उखलारसी कांवड़ सेवा शिविर एवं भंडारे का शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्रावण मास के पावन अवसर पर आयोजित 27 वें मित्र मंडल ग्राम उखलारसी कांवड़ सेवा शिविर एवं भंडारे का शुभारंभ चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी, प्रदेश अध्यक्ष, सहकारिता प्रकोष्ठ, राष्ट्रीय लोकदल, उत्तर प्रदेश द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिवभक्त, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने कहा कि कांवड़ यात्रा भारतीय संस्कृति, आस्था और सेवा भाव का महान प्रतीक है। शिवभक्तों की निस्वार्थ सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य है। मित्र मंडल ग्राम उखलारसी द्वारा पिछले 27 वर्षों से निरंतर शिवभक्तों की सेवा की जा रही है, जो समाज के लिए प्रेरणादायक है। ऐसे सेवा कार्य सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी कांवड़ियों की सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की कामना करते हुए भगवान भोलेनाथ से प्रदेश और देश की खुशहाली की प्रार्थना की। आयोजकों ने बताया कि सेवा शिविर में शिवभक्तों के लिए भोजन (भंडारा), शुद्ध पेयजल, विश्राम, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे कांवड़ियों को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। साथ ही सभी ग्रामवासियों, सहयोगकताओं एवं स्वयंसेवकों के योगदान की सराहना करते हुए सेवा कार्य को आगे भी निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राजेश चौधरी, चौधरी विकास डागर, राजवीर सिंह, पिंटू चौधरी, चेतन चौधरी, संजय डागर, प्रदीप डागर, विनोद चौधरी, टीटू सिंह, कालू चौधरी, राजू चौधरी, मनोज चौधरी आदि मौजूद रहे।

कावड़ सेवा शिविर का पूजा अर्चना के साथ फीता काटकर किया शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर मोदी शुगर मिल के निकट भाजपा के जिला महामंत्री देवेंद्र चौधरी एवं उनके साथियों द्वारा शिव भक्त कांवडियों की सेवा में लगाए गए कांवड सेवा शिविर का शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल ने पूजा अर्चना के साथ फीता काट कर शुभारंभ किया

इस मौके पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, पूर्व पालिका अध्यक्ष अशोक माहेश्वरी, भाजपा नगर अध्यक्ष आकाश शर्मा, पूर्व सभासद मोहित तोमर, अनिल सेन, पिंकी चौधरी, नवीन जायसवाल, प्रमोद शर्मा, कृष्ण शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। शिविर के आयोजक देवेंद्र चौधरी ने बताया कि गत वर्षो से कांवड सेवा शिविर अपने साथियों के साथ लगाते चले आ रहे हैं। शिविर के माध्यम से शिव भक्तों की सेवा में लगे हुए हैं। शिविर में शिव भक्तों के आराम, चिकित्सा, खाने-पीने की व्यवस्था की गई है।

फर्जी बीमा पॉलिसी का जाल, 2.5 करोड़ की साइबर ठगी

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। बीमा कंपनी का प्रतिनिधि बनकर लोगों को फोन करने और पॉलिसी बेचने के नाम पर कूटरचित दस्तावेज तैयार कर साइबर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का साइबर सेल व थाना कोतवाली नगर पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ में करीब 2.5 करोड़ रुपये की साइबर ठगी से जुड़ी चार राज्यों की नौ घटनाओं का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंकज शर्मा पुत्र स्व. उपेंद्र शर्मा, आदित्य यादव उर्फ मोनू पुत्र महेंद्र यादव और प्रमोद हरीश चंद्र छेबड़े पुत्र हरीश चंद्र छेबड़े के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 15 हजार रुपये नकद और मारुति बलेनो कार बरामद की है।

फोन पर बनते थे बीमा कंपनी के अधिकारी

पुलिस के मुताबिक आरोपी विभिन्न बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर लोगों को फोन करते थे। पॉलिसी बेचने, पॉलिसी अपडेट कराने अथवा बीमा संबंधी अन्य प्रक्रिया के नाम पर लोगों को विश्वास में लिया जाता था। इसके बाद कूटरचित बीमा पॉलिसी तैयार कर पीड़ितों से रकम वसूली जाती थी।

चार राज्यों में बिछा था ठगी का नेटवर्क

जांच में सामने आया कि गिरोह ने अलग-अलग राज्यों में लोगों को अपना शिकार बनाया। पुलिस ने चार राज्यों से जुड़ी नौ साइबर ठगी की घटनाओं का अनावरण किया है। इन मामलों में करीब 2.5 करोड़ रुपये की ठगी सामने आई है। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और ठगी के पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। आरोपियों से पूछताछ के आधार पर आने वाले दिनों में साइबर ठगी की और वारदातों के खुलासे की संभावना है।

वैश्य-व्यापारी समाज पर हो रहे हमले बर्दाश्त नहीं : प्रिन्स कंसल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन के राष्ट्रीय महामंत्री प्रिंस कंसल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वैश्य व्यापारी समाज पर लगातार अपराधियों द्वारा आघात किया जा रहा है इसके परिणाम स्वरूप प्रदेश का यह समाज स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहा है वैसे तो वैश्य व्यापारी समाज भारतीय जनता पार्टी का कोर वोट बैंक कहा जाता है लेकिन हालात यह हैं कि उत्तर प्रदेश में इस समाज पर लगातार आसामजिक तत्वों द्वारा हमले किये जा रहे हैं और कानून की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। हाल की घटनाओं में एक ओर जहाँ कुछ समय पहले बड़ौत में वैश्य समाज के व्यापारी पिता पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई वहीं दूसरी ओर तीन दिन पहले मोदीनगर क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के ही पूर्व जिला उपाध्यक्ष व्यापारी नितिन मित्तल पर जानलेवा हमला किया गया जिस कारण आज अस्पताल में नितिन मित्तल जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है वहीं अब कस्बा रघुपुरा जिला गौतमबुद्धनगर में बुजुर्ग वैश्य व्यापारी सुभाष चंद सिंहल व उसके परिजनों को गली में घेर कर पीट पीटकर अधमरा कर दिया गया है।ऐसी अनेक घटनाओं से वैश्य समाज में दहशत व्याप्त हो गई है इसके विरोध में अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन द्वारा सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर आरोपियों पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की गई है पत्र में राष्ट्रीय महामंत्री प्रिन्स कंसल द्वारा लिखा गया है कि वैश्य समाज देश के निर्माण में अपना सर्वोत्तम योगदान कर व रोजगार देकर करता रहा है देश व प्रदेश के उत्थान में वैश्य समाज सर्वाधिक कर देकर अपनी भूमिका निभा रहा है लेकिन वर्तमान परिदृश्य में वैश्य समाज पर जो लगातार हमले हो रहें हैं उन्हें बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है इसलिए मुख्यमंत्री से माँग की गई है कि ऐसी घटनाओं पर कड़ी कार्यवाही करनी चाहिए साथ ही भविष्य में इनकी पुनरावृति ना हो इसकी व्यवस्था भी करनी चाहिए।

शिव भक्तों के लिए आयोजित कांवड़ शिविर एवं विशाल भंडारे का भव्य शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। हर वर्ष की भांति दीपक चौधरी बढ़ूयाला एव मित्रगण दुआरा हेरीटेज अकैडमी मोदीनगर के सामने शिव भक्तों के लिए आयोजित कांवड़ शिविर एवं विशाल भंडारे का भव्य उद्घाटन महंत सुखबीर दास जींद हरियाणा, सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, राष्ट्रीय लोक दल , एडीजे केशव चौधरी , विधायक डॉ मंजू शिवाच , पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी, पूर्व विधायक सुदेश शर्मा , उपजिलाधिकारी कोमल पंवार, तहसीलदार रजत कुमार, अंतर्राष्ट्रीय जाट संसद अध्यक्ष मनु चौधरी, भारतीय क्रिकेटर प्रवीण कुमार, भाजपा नेता विनोद गोस्वामी, डॉ बबली गुर्जर किसान नेता, विकास यादव जिला पंचायत सदस्य,की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य रूप से सतेंद्र तोमर नेता लोकदल, डॉ रुपेश पुनिया, लोकदल नेता राहुल गुर्जर, रालोद महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष सुमन चौधरी, विकास चौधरी अबूपुर,मनोज प्रधान काजमपुर, सुनील प्रधान,संजय प्रधान भधोला, प्रवेंद्र चौधरी, दिनेश चौधरी, कुलदीप त्यागी, शिवकुमार त्यागी, शांति भूषण, दलबीर चौधरी, आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे और उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से कांवड़ यात्रा सकुशल, सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो, यही कामना है।

टीकाकरण से छूटे बच्चों की अब होगी तलाश, 18 अगस्त से विशेष अभियान

गौतमबुद्धनगर में 5 से 10 साल के बच्चों को लगेगी एमआर वैक्सीन, 14 वर्ष की बालिकाओं का एचपीवी टीकाकरण भी शत-प्रतिशत कराने के निर्देश

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर(वेलकम इंडिया)। टीकाकरण से वंचित बच्चों को सुरक्षा कवच देने के लिए जिले में 18 से 28 अगस्त तक विशेष एमआर टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई।

इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और आईसीडीएस विभाग के अधिकारियों को अभियान को पूरी गंभीरता से संचालित करने और एक भी पात्र बच्चे के टीकाकरण से छूटने पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए।

अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरके सिरोहा ने बताया कि अभियान के दौरान 5 से 10 वर्ष तक की आयु के उन बच्चों को एमआर वैक्सीन की डोज दी जाएगी, जो पहले टीकाकरण से वंचित रह गए हैं। कोविड काल में नियमित टीकाकरण प्रभावित होने के कारण इस आयु वर्ग में खसरा एवं रूबेला संक्रमण का खतरा बढ़ा है।

इसे देखते हुए सरकारी और निजी विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों, मदरसों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में कक्षा एक से पांच तक के बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण कराया जाएगा। अभियान के तहत 18, 20, 21, 24, 25, 27 और 28 अगस्त को निर्धारित टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाएंगे।

बालिकाओं को भी मिलेगा सुरक्षा कवच

बैठक में एचपीवी टीकाकरण अभियान की भी समीक्षा की गई। जिले में 28 फरवरी 2026 से चल रहे अभियान के तहत 14 वर्ष की पात्र बालिकाओं का निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण किया जा रहा है।

सीडीओ ने पात्र बालिकाओं की सूची तैयार कर संबंधित एएनएम के माध्यम से उनका समयबद्ध और शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। सीडीओ ने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा और आईसीडीएस विभाग आपसी समन्वय से अभियान को सफल बनाएं। सरकार की मंशा है कि टीकाकरण के लिए पात्र कोई भी बच्चा या बालिका सुरक्षा कवच से वंचित न रहे।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. ए.के. झा, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी आर.पी. सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार, जिला कार्यक्रम अधिकारी (आईसीडीएस) आशीष कुमार सहित संबंधित विभागों एवं सहयोगी संस्थाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा से पहले दर्दनाक हादसा, अज्ञात वाहन की टक्कर से तीन कांवडिय़ों की मौत

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर कलछीना के पास बुधवार तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे में तीन कांवडिय़ों की मौत के मामले में भोजपुर पुलिस ने बृहस्पतिवार को मुकदमा दर्ज कर जांच तेज कर दी है। मृतक राजकुमार के पिता रामेश्वर की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है। पुलिस एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपित वाहन चालक की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक अलीगढ़ जिले के थाना अतरौली क्षेत्र के गांव कलाई निवासी ज्ञान प्रकाश हरियाणा की एक जूता कंपनी में नौकरी करते थे। उनके साथ अलीगढ़ के थाना अकराबाद क्षेत्र के गांव रिसालदार निवासी राजकुमार और बदायूं जिले के थाना उशैद क्षेत्र के गांव नगला बची निवासी प्रदीप भी उसी कंपनी में कार्यरत थे। बताया गया कि तीनों मंगलवार रात ज्ञान प्रकाश की बाइक से हरियाणा से हरिद्वार कांवड़ लेने के लिए रवाना हुए थे। बुधवार सुबह करीब चार बजे जब वे भोजपुर थाना क्षेत्र में कलछीना के पास दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर पहुंचे, तभी पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। अज्ञात वाहन की टक्कर लगने के बाद बाइक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि तीनों कांवडिय़ों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही भोजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों की शिनाख्त कर उनके परिजनों को जानकारी दी।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा पर पुलिस की पैनी नजर, कंट्रोल रूम से बूथ तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

मेरठ तिराहा से विजय नगर तक एसीपी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था, कांवड़ियों को वितरित किया जल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस लगातार सतर्कता बरत रही है।

इसी क्रम में गुरुवार को सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर श्रीमती उपासना पाण्डेय ने मेरठ तिराहा स्थित कांवड़ कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके बाद एसीपी उपासना पाण्डेय ने थाना विजयनगर क्षेत्र में कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत स्थापित किए गए अस्थायी पुलिस बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों की उपस्थिति, सुरक्षा व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं की सुविधा से संबंधित इंतजामों को परखा गया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने तथा कांवड़ियों की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए।

पुलिस ने कांवड़ियों को बांटा जल, दी सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं

इसी क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त नन्दग्राम श्री जियाउद्दीन अहमद ने पुलिस बल के साथ मेरठ रोड कांवड़ मार्ग स्थित घूकना मोड़ कट पर कांवड़ यात्रियों को जल वितरित किया। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रद्धालुओं से संवाद करते हुए उनकी कुशल एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की।

कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस की ओर से सुरक्षा के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यात्रा मार्गों पर पुलिस बल लगातार निगरानी रख रहा है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिसकर्मी पूरी तरह मुस्तैद हैं।

कांवड़ यात्रा में आग से सुरक्षा का 'फायर प्लान' तैयार, 15 जगह दमकल की तैनाती

85 अग्निशमनकर्मी 24 घंटे मुस्तैद, कांवड़ शिविरों में सुरक्षा इंतजामों की हुई सघन जांच

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित और सुचारु बनाने के लिए अग्निशमन तथा आपात सेवा विभाग ने व्यापक तैयारियां की हैं। गुरुवार को विभाग की टीम ने कमिश्नरेट क्षेत्र में स्थापित विभिन्न कांवड़ शिविरों का निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा इंतजामों की जांच की। शिविर संचालकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने शिविरों में रेत, बालू और पर्याप्त पानी उपलब्ध रखने के साथ सभी अग्निशामक यंत्रों को कार्यशील रखने को कहा। विद्युत वायरिंग व अस्थायी कनेक्शनों में ओवरलोडिंग से बचने, गैस सिलेंडरों को सुरक्षित व हवादार स्थान पर रखने तथा खाना बनाने वाले स्थान पर आग बुझाने के पर्याप्त इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। आपातकालीन निकास मार्ग को हर समय अवरोधमुक्त रखने और ज्वलनशील सामग्री को आग एवं विद्युत उपकरणों से दूर रखने की हिदायत भी दी गई। कांवड़ यात्रा के प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थलों पर 15 ड्यूटी प्वाइंट बनाए गए हैं। यहां 15 अग्निशमन वाहन तैनात किए गए हैं। करीब 85 अग्निशमन अधिकारी-कर्मचारी 24 घंटे ड्यूटी पर रहकर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेंगे। अग्निशमन विभाग द्वारा यात्रा की पूरी अवधि में कांवड़ मार्गों और शिविरों का नियमित निरीक्षण, अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान तथा सतत निगरानी की जाएगी। विभाग का लक्ष्य श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए किसी भी अग्निकांड या अप्रिय घटना की संभावना को न्यूनतम करना है।

कांवड़ मार्ग पर DCP ने परखी सुरक्षा व्यवस्था, एसीपी ने कंट्रोल रूम व ALT चौराहे का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। गुरुवार को पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांसहिंडन धवल जायसवाल ने थाना मधुबन बापूधाम क्षेत्र के कांवड़ मार्ग एवं वहां बनाए गए कांवड़ शिविरों का भ्रमण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कांवड़ मार्ग पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों, यातायात व्यवस्था और प्रकाश व्यवस्था की स्थिति देखी। पुलिस उपायुक्त ने अधिकारियों को कांवड़ मार्ग के साथ-साथ आमजन की सुविधा के लिए निर्धारित वैकल्पिक मार्गों पर भी यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में एसीपी नन्दग्राम जियाउद्दीन अहमद ने कांवड़ कंट्रोल रूम एवं ALT चौराहे पर तैनात पुलिस बल और ड्यूटी व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता एवं मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के साथ किसी भी आपात स्थिति में तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधिकारियों ने सभी कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ', जनकल्याण को लेकर प्रशासन गंभीर : डीएम

जनता दर्शन में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने सुनीं समस्याएं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता दर्शन के दौरान मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि मीडिया और सोशल मीडिया जनजागरूकता के प्रभावी माध्यम हैं। इनके सहयोग से सरकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जा रही है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के निदेशों के अनुरूप जनपद में 'गरीब का गृह प्रवेश', 'कब्जामुक्ति अभियान' और 'मिशन समर्थ' समेत विभिन्न विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इन अभियानों के माध्यम से जरूरतमंद, कमजोर, बेसहारा एवं वंचित वर्ग के लोगों को सहायता उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सक्षम बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रशासन पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। कमजोर एवं वंचित वर्ग के लोगों को सरकारी योजनाओं और रोजगार के अवसरों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है।

जनता दर्शन में मौजूद लाभार्थियों ने बताया कि जिलाधिकारी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी अभियानों और जनता दर्शन के माध्यम से उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन शिकायतों को गंभीरता से सुनकर प्रभावी कार्रवाई कर रहा है, जिससे आमजन का प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ एवं जिलाधिकारी के प्रति आभार व्यक्त किया।

कांवड़िए का 25 हजार कैश और मोबाइल से भरा बैग हुआ गुम, यातायात पुलिस ने चंद घंटों में खोज निकाला

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा के बीच यातायात पुलिस ने कर्तव्यपरायणता और तत्परता की मिसाल पेश करते हुए एक कांवड़िए का खोया बैग सकुशल बरामद कर उसे वापस सौंप दिया। बैग में 25 हजार रुपये की नकदी और मोबाइल फोन रखा हुआ था। जानकारी के मुताबिक, कांवड़ियों ने बताया कि दुहाई शिव मंदिर पर विश्राम के दौरान उनका बैग छूट गया था। बैग गायब होने की सूचना मिलते ही

यातायात निरीक्षक अशेष बाबू ने हमराह यातायात कर्मियों के साथ तत्काल कार्रवाई शुरू की। टीम ने तलाश करते हुए गौशाला कांवड़ कैंप पहुंचकर बैग को सकुशल बरामद कर लिया। इसके बाद गुलधर मेट्रो स्टेशन पर कांवड़ियों को बैग सुपुर्द कर दिया गया। खोया बैग, नकदी और मोबाइल वापस पाकर कांवड़ियों के चेहरे खिल उठे। उन्होंने यातायात पुलिस की ईमानदारी, तत्परता और कर्तव्यनिष्ठा की जमकर सराहना की। कांवड़ यात्रा के दौरान यातायात पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने श्रद्धालुओं के बीच पुलिस के प्रति विश्वास को और मजबूत किया।

किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में कोताही नहीं होगी बर्दाश्त

सीडीओ ने कृषि विभाग की समीक्षा में कसे अफसरों के पेंच, पैक्स पर खाद का पर्याप्त स्टॉक रखने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। किसानों को शासन की योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिलाने के लिए प्रशासन ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई कृषि एवं संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक में खाद-बीज, सिंचाई, किसान ड्रोन, गन्ना भुगतान, पशुपालन और कृषि आधारित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

उप कृषि निदेशक आशीष कुमार सिंह ने बताया कि कृषि आच्छादन तथा बीज एवं मिनी किट वितरण के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर ली गई है। जनपद में किसानों की जरूरत के मुताबिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता भी बताई गई। सीडीओ ने किसानों को मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक के प्रयोग के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए।

मिलेट्स, आत्मा, दलहन, खेत तालाब, कीट एवं रोग प्रबंधन और एग्रीजंक्शन योजनाओं की समीक्षा के दौरान लाभार्थियों के चयन, प्रशिक्षण और अन्य गतिविधियों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने को कहा गया। साथ ही आगामी सप्ताह में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के साथ बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

पैक्स पर 25 टन यूरिया, 15 टन डीएपी रखना होगा

सहकारिता विभाग को पैक्स समितियों पर हर समय न्यूनतम 25 मीट्रिक टन यूरिया और 15 मीट्रिक टन डीएपी उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए।

वहीं एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) के तहत संचालित कार्यों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण अगली बैठक में देने को कहा गया।

गन्ना विभाग को किसानों के बकाया भुगतान की अद्यतन जानकारी नियमित रूप से उपलब्ध कराने तथा किसान दिवस में अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

चिपियाना बुजुर्ग गांव की सड़क बनी 'गड्ढों की सड़क', हादसे को न्योता दे रही बदहाल राह

अइएर कॉलेज से सरकारी स्कूल तक सड़क पर गहरे गड्ढे और जलभराव, स्कूली बसों व ग्रामीणों को भारी परेशानी

कपिल चौहान

गौतम बुद्ध नगर (वेलकम इंडिया)। चिपियाना बुजुर्ग गांव में अइएर कॉलेज से लेकर सरकारी स्कूल तक जाने वाली सड़क इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाने से राहगीरों के लिए आवागमन मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की स्थिति खराब होने के बावजूद संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

यह मार्ग गांव के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन इस सड़क से सैकड़ों स्कूली बसों के अलावा हजारों ग्रामीणों का आवागमन होता है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों और उनमें भरे पानी के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर स्कूली बसों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह रास्ता लगातार जोखिम भरा बना हुआ है। स्थानीय दुकानदारों और स्कूलों के आसपास भी बारिश का पानी जमा हो जाता है, जिससे कारोबार प्रभावित होने के साथ विद्यार्थियों, अभिभावकों और आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में पानी भरने के कारण उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता।

ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि यदि जल्द सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो इन गड्ढों के कारण किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से तत्काल सड़क का निरीक्षण कर गड्ढों को भरने, जलनिकासी की व्यवस्था दुरुस्त कराने और पूरी सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

प्रशासन को जनहित में मामले का तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए।

हर घर तिरंगा से गूंजेगा गाजियाबाद, 9 से 17 अगस्त तक चलेगा राष्ट्रभक्ति का महाअभियान

डीएम के निर्देश—घर, दुकान और कार्यालयों पर शान से लहराए तिरंगा, तिरंगा रैली से लेकर देशभक्ति कार्यक्रमों तक होगी भव्य भागीदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनपद में राष्ट्रभक्ति का माहौल बनाने के लिए 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान उत्साहपूर्वक चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों एवं सफल संचालन को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को अभियान को जन-जन का उत्सव बनाने और इसमें अधिकाधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान के दौरान जनपद के सभी आवासीय भवनों, दुकानों, प्रतिष्ठानों, शासकीय कार्यालयों और सार्वजनिक भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज सम्मानपूर्वक फहराया जाए। ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में तिरंगा रैली, देशभक्ति कंसर्ट, रंगोली एवं वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, सामूहिक राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत सहित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भव्य एवं गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित किए जाएं। उन्होंने ग्राम पंचायतों, विकासखंडों, तहसीलों और जनपद स्तरीय कार्यालयों में तिरंगा फहराने के साथ आकर्षक प्रकाश व्यवस्था एवं सजावट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि तिरंगा फहराते समय भारतीय ध्वज संहिता का पूर्ण पालन किया जाए। कहीं भी उल्टा, फटा, कटा अथवा झुका हुआ तिरंगा न लगाया जाए। बैठक में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' गरिमापूर्ण ढंग से मनाने के भी निर्देश दिए गए। साथ ही नागरिकों तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को तिरंगा फहराने के बाद 'हर घर तिरंगा' वेबसाइट पर सेल्फी अपलोड करने के लिए प्रेरित करने को कहा गया, ताकि अभियान को व्यापक जनसमर्थन और जनभागीदारी मिल सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, समस्त जिला स्तरीय अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।